Resource: अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

License Information

अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

JOB

अय्यूब 1:1, अय्यूब 1:5, अय्यूब 1:8, अय्यूब 1:10, अय्यूब 1:11, अय्यूब 1:12, अय्यूब 1:14–15, अय्यूब 1:16, अय्यूब 1:17, अय्यूब 1:18–19, अय्यूब 1:20, अय्यूब 1:21, अय्यूब 1:21, अय्यूब 1:22, अय्यूब 2:1, अय्यूब 2:2, अय्यूब 2:3, अय्यूब 2:5, अय्यूब 2:7, अय्यूब 2:8, अय्यूब 2:9, अय्यूब 2:10, अय्यूब 2:11, अय्यूब 2:12–13, अय्यूब 3:1–3, अय्यूब 3:5, अय्यूब 3:6, अय्यूब 3:11, अय्यूब 3:13–14, अय्यूब 3:18–19, अय्यूब 3:21, अय्यूब 3:24, अय्यूब 3:26, अय्यूब 4:3, अय्यूब 4:6, अय्यूब 4:8–9, अय्यूब 4:10, अय्यूब 4:12–13, अय्यूब 4:14, अय्यूब 4:17, अय्यूब 4:19, अय्यूब 5:2, अय्यूब 5:4, अय्यूब 5:7, अय्यूब 5:10, अय्यूब 5:12, अय्यूब 5:15, अय्यूब 5:18, अय्यूब 5:22, अय्यूब 5:24, अय्यूब 5:26, अय्यूब 6:2–3, अय्यूब 6:4, अय्यूब 6:6, अय्यूब 6:8–9, अय्यूब 6:10, अय्यूब 6:13, अय्यूब 6:14, अय्यूब 6:15–17, अय्यूब 6:18–20, अय्यूब 6:21, अय्यूब 6:24, अय्यूब 6:26, अय्यूब 6:29, अय्यूब 7:2–3, अय्यूब 7:5, अय्यूब 7:6, अय्यूब 7:9, अय्यूब 7:11, अय्यूब 7:14, अय्यूब 7:16, अय्यूब 7:19, अय्यूब 7:21, अय्यूब 8:2, अय्यूब 8:4, अय्यूब 8:6, अय्यूब 8:9, अय्यूब 8:11, अय्यूब 8:14, अय्यूब 8:17, अय्यूब 8:20, अय्यूब 8:21, अय्यूब 9:3, अय्यूब 9:5, अय्यूब 9:8, अय्यूब 9:11, अय्यूब 9:15, अय्यूब 9:17, अय्यूब 9:20, अय्यूब 9:22, अय्यूब 9:25–26, अय्यूब 9:27–29, अय्यूब 9:33, अय्यूब 9:34, अय्यूब 10:2, अय्यूब 10:4, अय्यूब 10:6, अय्यूब 10:8, अय्यूब 10:11, अय्यूब 10:12, अय्यूब 10:14, अय्यूब 10:16, अय्यूब 10:17, अय्यूब 10:18, अय्यूब 10:21, अय्यूब 11:3, अय्यूब 11:6, अय्यूब 11:7–9, अय्यूब 11:10–11, अय्यूब 11:12, अय्यूब 11:16, अय्यूब 11:18, अय्यूब 11:20, अय्यूब 12:3, अय्यूब 12:4, अय्यूब 12:7–8, अय्यूब 12:9, अय्यूब 12:12, अय्यूब 12:15, अय्यूब 12:18, अय्यूब 12:20, अय्यूब 12:23, अय्यूब 12:24, अय्यूब 13:2, अय्यूब 13:3, अय्यूब 13:5, अय्यूब 13:6, अय्यूब 13:10, अय्यूब 13:12, अय्यूब 13:13, अय्यूब 13:16, अय्यूब 13:18, अय्यूब 13:21, अय्यूब 13:24, अय्यूब 13:28, अय्यूब 14:2, अय्यूब 14:5, अय्यूब 14:7, अय्यूब 14:12, अय्यूब 14:13, अय्यूब 14:17, अय्यूब 14:19, अय्यूब 14:21, अय्यूब 15:2, अय्यूब 15:4, अय्यूब 15:9, अय्यूब 15:10, अय्यूब 15:13, अय्यूब 15:15, अय्यूब 15:17–18, अय्यूब 15:21, अय्यूब 15:22, अय्यूब 15:26, अय्यूब 15:28, अय्यूब 15:30, अय्यूब 15:31, अय्यूब 15:34, अय्यूब 16:2–3, अय्यूब 16:6, अय्यूब 16:10, अय्यूब 16:11, अय्यूब 16:13, अय्यूब 16:15, अय्यूब 16:19, अय्यूब 16:20, अय्यूब 17:2, अय्यूब 17:3, अय्यूब 17:5, अय्यूब 17:7, अय्यूब 17:10, अय्यूब 17:11, अय्यूब 17:14, अय्यूब 18:3, अय्यूब 18:5, अय्यूब 18:8, अय्यूब 18:9–10, अय्यूब 18:12, अय्यूब 18:14, अय्यूब 18:16, अय्यूब 18:19, अय्यूब 18:20, अय्यूब 19:2, अय्यूब 19:3, अय्यूब 19:4, अय्यूब 19:6, अय्यूब 19:7, अय्यूब 19:11, अय्यूब 19:13–14, अय्यूब 19:16, अय्यूब 19:19, अय्यूब 19:20, अय्यूब 19:23–24, अय्यूब 19:25, अय्यूब 19:26, अय्यूब 19:29, अय्यूब 20:1–3, अय्यूब 20:5, अय्यूब 20:7, अय्यूब 20:8, अय्यूब 20:10, अय्यूब 20:14, अय्यूब 20:15, अय्यूब 20:17, अय्यूब 20:19, अय्यूब 20:21, अय्यूब 20:23, अय्यूब 20:24, अय्यूब 20:27, अय्यूब 20:28, अय्यूब 21:3, अय्यूब 21:5, अय्यूब 21:6, अय्यूब 21:7, अय्यूब 21:10, अय्यूब 21:14, अय्यूब 21:16, अय्यूब 21:19, अय्यूब 21:22, अय्यूब 21:26, अय्यूब 21:27, अय्यूब 21:30, अय्यूब 21:32, अय्यूब 21:34, अय्यूब 22:3, अय्यूब 22:4, अय्यूब 22:6, अय्यूब 22:9, अय्यूब 22:11, अय्यूब 22:14, अय्यूब 22:16, अय्यूब 22:19, अय्यूब 22:21, अय्यूब 22:23, अय्यूब 22:26, अय्यूब 22:29, अय्यूब 23:2, अय्यूब 23:4, अय्यूब 23:6, अय्यूब 23:9, अय्यूब 23:10, अय्यूब 23:12, अय्यूब 23:14, अय्यूब 23:15, अय्यूब 23:17, अय्यूब 24:1, अय्यूब 24:3, अय्यूब 24:5, अय्यूब 24:7, अय्यूब 24:8, अय्यूब 24:10, अय्यूब 24:11, अय्यूब 24:14, अय्यूब 24:16, अय्यूब 24:17, अय्यूब 24:19, अय्यूब 24:21, अय्यूब 24:22, अय्यूब 24:24, अय्यूब 25:2, अय्यूब 25:4, अय्यूब 25:6, अय्यूब 26:4, अय्यूब 26:6, अय्यूब 26:8, अय्यूब 26:9, अय्यूब 26:12, अय्यूब 26:13, अय्यूब 26:14, अय्यूब 27:2, अय्यूब 27:4, अय्यूब 27:6, अय्यूब 27:8, अय्यूब 27:11, अय्यूब 27:14, अय्यूब 27:15, अय्यूब 27:17, अय्यूब 27:19, अय्यूब 27:21, अय्यूब 27:22, अय्यूब 28:2, अय्यूब 28:3, अय्यूब 28:4, अय्यूब 28:6, अय्यूब 28:8, अय्यूब 28:10, अय्यूब 28:13, अय्यूब 28:17, अय्यूब 28:18, अय्यूब 28:21, अय्यूब 28:23, अय्यूब 28:25, अय्यूब 28:26, अय्यूब 28:28, अय्यूब 29:2, अय्यूब 29:4, अय्यूब 29:6, अय्यूब 29:8, अय्यूब 29:9, अय्यूब 29:10, अय्यूब 29:11, अय्यूब 29:13, अय्यूब 29:16, अय्यूब 29:17, अय्यूब 29:20, अय्यूब 29:23, अय्यूब 29:25, अय्यूब 30:1, अय्यूब 30:3, अय्यूब 30:5, अय्यूब 30:8, अय्यूब 30:9, अय्यूब 30:11, अय्यूब 30:13, अय्यूब 30:15, अय्यूब 30:16, अय्यूब 30:18, अय्यूब 30:21, अय्यूब 30:23, अय्यूब 30:26, अय्यूब 30:28, अय्यूब 30:31, अय्यूब 31:1, अय्यूब 31:3, अय्यूब 31:6, अय्यूब 31:8, अय्यूब 31:10, अय्यूब 31:12, अय्यूब 31:15, अय्यूब 31:18, अय्यूब 31:20, अय्यूब 31:22, अय्यूब 31:24, अय्यूब 31:28, अय्यूब 31:30, अय्यूब 31:32, अय्यूब 31:33, अय्यूब 31:35, अय्यूब 31:37, अय्यूब 31:40, अय्यूब 32:1, अय्यूब 32:2, अय्यूब 32:3–5, अय्यूब 32:6–7, अय्यूब 32:8, अय्यूब 32:9–10, अय्यूब 32:11–12, अय्यूब 32:13, अय्यूब 32:15–16, अय्यूब 32:18, अय्यूब 32:19, अय्यूब 32:21–22, अय्यूब 33:1–3, अय्यूब 33:4, अय्यूब 33:5, अय्यूब 33:6–7, अय्यूब 33:8–9, अय्यूब 33:10, अय्यूब 33:12, अय्यूब 33:13, अय्यूब 33:14–15, अय्यूब 33:16–17, अय्यूब 33:19–20, अय्यूब 33:21–22, अय्यूब 33:24, अय्यूब 33:25, अय्यूब 33:28, अय्यूब 33:29–30, अय्यूब 33:33, अय्यूब 34:1–3, अय्यूब 34:4, अय्यूब 34:5, अय्यूब 34:8, अय्यूब 34:10–12, अय्यूब 34:13–15, अय्यूब 34:17, अय्यूब 34:19, अय्यूब 34:21, अय्यूब

34:25, अय्यूब 34:26, अय्यूब 34:29, अय्यूब 34:31–32, अय्यूब 34:34–35, अय्यूब 34:37, अय्यूब 35:1–2, अय्यूब 35:5, अय्यूब 35:8, अय्यूब 35:9, अय्यूब 35:10–11, अय्यूब 35:12, अय्यूब 35:13, अय्यूब 35:16, अय्यूब 36:3, अय्यूब 36:6, अय्यूब 36:7, अय्यूब 36:9, अय्यूब 36:11, अय्यूब 36:12, अय्यूब 36:13–14, अय्यूब 36:15–16, अय्यूब 36:16, अय्यूब 36:17, अय्यूब 36:18, अय्यूब 36:19, अय्यूब 36:21, अय्यूब 36:23, अय्यूब 36:26, अय्यूब 36:27–28, अय्यूब 36:30–31, अय्यूब 36:32–33, अय्यूब 37:1–2, अय्यूब 37:6, अय्यूब 37:7, अय्यूब 37:8–9, अय्यूब 37:10, अय्यूब 37:13, अय्यूब 37:14, अय्यूब 37:15, अय्यूब 37:18, अय्यूब 37:19, अय्यूब 37:21, अय्यूब 37:23, अय्यूब 37:24, अय्यूब 38:1, अय्यूब 38:2, अय्यूब 38:3, अय्यूब 38:6–7, अय्यूब 38:8, अय्यूब 38:10–11, अय्यूब 38:14, अय्यूब 38:19–21, अय्यूब 38:22–23, अय्यूब 38:25–27, अय्यूब 38:31, अय्यूब 38:37–38, अय्यूब 38:40, अय्यूब 38:41, अय्यूब 39:4, अय्यूब 39:5–6, अय्यूब 39:8, अय्यूब 39:10, अय्यूब 39:13, अय्यूब 39:14, अय्यूब 39:16, अय्यूब 39:18, अय्यूब 39:19, अय्यूब 39:22, अय्यूब 39:24, अय्यूब 39:27–28, अय्यूब 40:4, अय्यूब 40:6, अय्यूब 40:7, अय्यूब 40:8, अय्यूब 40:10, अय्यूब 40:12, अय्यूब 40:15, अय्यूब 40:17, अय्यूब 40:19, अय्यूब 40:21, अय्यूब 40:23, अय्यूब 41:1, अय्यूब 41:6, अय्यूब 41:8, अय्यूब 41:10, अय्यूब 41:14, अय्यूब 41:16, अय्यूब 41:18, अय्यूब 41:19, अय्यूब 41:20, अय्यूब 41:24, अय्यूब 41:25, अय्यूब 41:26, अय्यूब 41:27, अय्यूब 41:30, अय्यूब 41:31, अय्यूब 41:33, अय्यूब 42:3, अय्यूब 42:6, अय्यूब 42:7, अय्यूब 42:8, अय्यूब 42:8 (#2), अय्यूब 42:10, अय्यूब 42:11, अय्यूब 42:12, अय्यूब 42:13, अय्यूब 42:15

अय्यूब 1:1

अय्यूब के चरित्र का वर्णन कैसे किया गया है?

वे खरे और सीधा थे, वे परमेश्वर का भय मानते और बुराई से परे रहते थे।

अय्यूब 1:5

जब अय्यूब के पुत्र अपने भाइयों और बहनों के साथ अपने घरों में दावत करते थे, तब अय्यूब क्या करते थे?

अय्यूब उन्हें बुलवाकर पवित्र करते, और बड़ी भोर को उठकर उनकी गिनती के अनुसार होमबलि चढ़ाते थे।

अय्यूब 1:8

यहोवा ने शैतान से अय्यूब पर ध्यान देने के लिए क्यों कहा?

पृथ्वी पर अय्यूब जैसा कोई नहीं था, वह एक खरा और सीधा व्यक्ति था, जो परमेश्वर का भय माननेवाला और बुराई से दूर रहनेवाला मनुष्य था।

अय्यूब 1:10

शैतान ने कैसे कहा कि यहोवा ने अय्यूब की रक्षा की थी?

उन्होंने अय्यूब के चारों ओर, उसके घर के चारों ओर, और उसके पास जो कुछ भी था, उसके चारों ओर एक बाड़ा बाँधी थी।

अय्यूब 1:11

शैतान ने क्या सोचा कि अय्यूब को परमेश्वर की निन्दा करने के लिए क्या प्रेरित करेगा?

उसने कहा कि यदि परमेश्वर अपना हाथ बढ़ाकर अय्यूब का जो कुछ है उस पर हमला करेंगे तो अय्यूब परमेश्वर का निन्दा मुँह पर कर देंगे।

अय्यूब 1:12

यहोवा ने शैतान को क्या करने की अनुमति दी?

उन्होंने शैतान को अय्यूब से सब कुछ लेने की अनुमति दी, लेकिन उसके शरीर पर हाथ लगाने की अनुमति नहीं दी।

अय्यूब 1:14–15

दूत ने अय्यूब को क्या बताया कि शेबा के लोगों ने उनके साथ क्या किया है?

उन्होंने खेत में अय्यूब के सभी सेवकों को मार डाला और सभी बैल और गधों को ले गए।

अय्यूब 1:16

दूसरे दूत ने अय्यूब को बताया कि उनकी भेड़ों के साथ क्या हुआ था?

परमेश्वर की आग आकाश से गिरी और उससे भेड़-बकरियाँ और सेवक जलकर भस्म हो गए।

अय्यूब 1:17

तीसरे दूत ने अय्यूब को क्या बताया कि उनके ऊँटों के साथ क्या हुआ था?

कसदी लोग तीन दल बाँधकर आए और उन्होंने उन पर हमला किया। उन्होंने सभी ऊँट चुरा लिए और उन सभी सेवकों को मार डाला जो उनकी देखभाल कर रहे थे।

अय्यूब 1:18–19

चौथे दूत ने अय्यूब को क्या सूचना दी?

अय्यूब के बेटे और बेटियाँ उनके बड़े भाई के घर में दावत कर रहे थे, जब जंगल की ओर से बड़ी प्रचण्ड वायु चली और घर के चारों कोनों को ऐसा झोंका मारा, कि वह जवानों पर गिर पड़ा और वे मर गए।

अय्यूब 1:20

अय्यूब ने इन सभी संदेशों को प्राप्त करने के बाद क्या किया?

अय्यूब ने अपना बागा फाड़ा, अपना सिर मुँडवाया, भूमि पर गिरा, और परमेश्वर को दण्डवत् किया।

अय्यूब 1:21

इन घटनाओं के बाद अय्यूब ने अपनी स्थिति के बारे में क्या कहा?

उन्होंने कहा कि वे अपनी माँ के पेट से नंगा आए थे, और वे नंगा ही लौटेंगे।

अय्यूब 1:21

अय्यूब ने कहा कि यहोवा ने उनके साथ क्या किया था?

यहोवा ने दिया और यहोवा ही ने लिया।

अय्यूब 1:22

अय्यूब ने कैसे दिखाया कि वह एक मूर्ख व्यक्ति नहीं थे?

अय्यूब ने पाप नहीं किया और न ही उन्होंने मूर्खतापूर्वक परमेश्वर पर कोई दोष लगाया।

अय्यूब 2:1

जब परमेश्वर के पुत्र यहोवा के सामने उपस्थित हुए, तो उनके साथ कौन आया?

शैतान भी आया और उनके सामने उपस्थित हुआ।

अय्यूब 2:2

शैतान ने यहोवा से क्या कहा कि वह क्या कर रहे थे?

उसने कहा कि वह पृथ्वी पर इधर-उधर घूमते-फिरते और डोलते-डालते आया है।

अय्यूब 2:3

यहोवा ने कहा कि शैतान के हमलों के बावजूद अय्यूब ने क्या करना जारी रखा?

अय्यूब अब तक अपनी खराई पर बना है।

अय्यूब 2:5

अब शैतान अय्यूब के साथ क्या करना चाहता है ताकि अय्यूब परमेश्वर को निन्दा करे?

शैतान अय्यूब की हड्डियाँ और माँस को छूना चाहता था ताकि उन्हें चोट पहुँचा सके।

अय्यूब 2:7

शैतान ने अय्यूब के शरीर को किस प्रकार पीड़ित किया?

उसने अय्यूब को पाँव के तलवे से लेकर सिर की चोटी तक बड़े-बड़े फोड़ों से पीड़ित किया।

अय्यूब 2:8

अय्यूब ने अपनी पीड़ा का सामना कैसे किया?

वे खुजलाने के लिये एक ठीकरा लेकर राख पर बैठ गए।

अय्यूब 2:9

अय्यूब की पत्नी चाहती थीं कि वह क्या करें?

अय्यूब की पत्नी चाहती थीं कि वे परमेश्वर की निन्दा करे और मर जाए।

अय्यूब 2:10

अय्यूब ने अपनी पत्नी पर क्या दोष लगाया था?

उसने उस पर दोष लगाया कि वह सोचती हैं कि उन्हें परमेश्वर के हाथ से सुख प्राप्त करना चाहिए, परन्तु दुःख नहीं।

अय्यूब 2:11

जब अय्यूब के तीन दोस्तों ने सुना कि अय्यूब के साथ क्या हुआ है, तो उन्होंने क्या किया?

वे उनके साथ विलाप मनाने और उन्हें शान्ति देने आए।

अय्यूब 2:12–13

जब अय्यूब के तीन दोस्तों ने उन्हें देखा, तो उन्होंने अपना दुख कैसे प्रकट किया?

वे चिल्लाकर रो उठे; और अपना-अपना बागा फाड़ा, और आकाश की और धूलि उड़ाकर अपने-अपने सिर पर डाली, और सात दिन और सात रात उसके संग भूमि पर बैठे रहे और उससे एक भी बात न कही।

अय्यूब 3:1–3

अय्यूब ने अपने जन्मदिन के बारे में क्या कहा?

उन्होंने अपने जन्मदिन को धिक्कारा और कहा की वह दिन नाश हो जाए।

अय्यूब 3:5

अय्यूब अपने जन्मदिन के बारे में क्या कहना चाहते हैं?

वह चाहते हैं कि अंधियारा और मृत्यु की छाया उस दिन पर रहे।

अय्यूब 3:6

जिस रात अय्यूब का गर्भाधान हुआ, उस रात वह क्या चाहता था?

अय्यूब चाहते हैं कि घोर अंधकार उस रात को पकड़े।

अय्यूब 3:11

अय्यूब ने क्या चाहा था कि जब वह पेट से निकलते ही क्या हुआ होता?

वह चाहते हैं कि उनकापेट से निकलते ही प्राण छूट गया होता।

अय्यूब 3:13–14

अय्यूब कहते हैं कि यदि उनका पेट से निकलते ही प्राण छूट गया होता, तो वह अब क्या कर रहे होते?

वह चुपचाप पड़े रहते, सोते रहते और विश्राम करते।

अय्यूब 3:18–19

मृत्यु में बन्धुए और दास को किससे स्वतंत्र किया जाता है?

बन्धुए को परिश्रम करानेवाले का शब्द से और दास को अपने स्वामी से स्वतंत्र होता है।

अय्यूब 3:21

अय्यूब किससे कहते हैं कि मृत्यु नहीं आएगी?

जो मृत्यु की बाट जोहते हैं और जो गड़े हुए धन से अधिक उसकी खोज करते हैं उन पर मृत्यु नहीं आती।

अय्यूब 3:24

अय्यूब अपनी विलाप को कैसे व्यक्त करते हैं?

उनकी विलाप धारा के समान बहता रहता है।

अय्यूब 3:26

अय्यूब के जीवन में दुःख ने कौन-कौन सी चीजों का स्थान ले लिया है?

वह कभी भी चैन से या शान्ति से नहीं रह सकते और उन्हें विश्राम भी नहीं मिलती है।

अय्यूब 4:3

एलीपज कहता है कि अय्यूब ने दूसरों के लिए कौन से अच्छे काम किए हैं?

अय्यूब ने बहुतों को शिक्षा दी है और निर्बल लोगों को बलवन्त किया है।

अय्यूब 4:6

एलीपज के अनुसार, विपत्ति के समय में अय्यूब का आसरा और आशा क्या हैं?

अय्यूब का परमेश्वर का भय ही उनका आसरा है, और उनके चाल चलन जो खरी है वही उनकी आशा है।

अय्यूब 4:8–9

परमेश्वर की श्वास और उनके क्रोध के झोंके से कौन नाश हो सकता है?

जो लोग पाप को जोतते और दुःख बोते हैं, वे नाश हो जाते हैं और भस्म होते हैं।

अय्यूब 4:10

एलीपज क्या कहते हैं कि तोड़े जाते हैं?

जवान सिंहों के दाँत तोड़े जाते हैं।

अय्यूब 4:12–13

एलीपज को चुपके से एक विशेष बात कैसे पहुँचाई गई?

उन्होंने अपने कानों में कुछ भनक सुनी और रात के स्वप्न देखे।

अय्यूब 4:14

जब एलीपज को संदेश मिला, तो उस पर क्या प्रभाव पड़ा?

उस पर थरथराहट और कँपकँपी छा गई।

अय्यूब 4:17

शब्द ने नाशवान मनुष्य के बारे में क्या पूछा?

शब्द ने पूछा कि क्या नाशवान मनुष्य परमेश्वर से अधिक धर्मी होगा? क्या मनुष्य अपने सृजनहार से अधिक पवित्र हो सकता है?

अय्यूब 4:19

एलीपज नाशवान मनुष्य का वर्णन कैसे करते हैं?

वे मिट्टी के घरों में रहते हैं, और जिनकी नींव मिट्टी में डाली गई है, और जो पतंगे के समान पिस जाते हैं।

अय्यूब 5:2

एलीपज का कहना है कि एक मूर्ख और निर्बुद्धि के साथ क्या होगा?

खेद मूर्ख व्यक्ति को नाश करता है, और जलते-जलते निर्बुद्धि मर मिटता है।

अय्यूब 5:4

शहर के फाटक पर मूर्ख व्यक्ति के बच्चों का क्या होता है?

वे सुरक्षा से दूर हैं, और वे फाटक में पीसे जाते हैं, और कोई नहीं है जो उन्हें छुड़ाए।

अय्यूब 5:7

वास्तव में कष्ट कहाँ से आती है?

अपने पूरे जीवन में, मनुष्य कष्ट ही भोगने के लिये उत्पन्न हुआ है।

अय्यूब 5:10

परमेश्वर पृथ्वी और खेतों को क्या प्रदान करते हैं?

वे पृथ्वी के ऊपर वर्षा करते हैं और खेतों पर जल बरसाते हैं।

अय्यूब 5:12

परमेश्वर धूर्त लोगों की कल्पनाओं का क्या करते हैं?

वह उनकी कल्पनाओं को व्यर्थ कर देते हैं ताकि उनके हाथों से कुछ भी बन नहीं पड़ता।

अय्यूब 5:15

परमेश्वर दरिद्रों और कंगालों को किससे बचाते हैं?

वह दरिद्रों को बलवानों के हाथ से और आरोपों से बचाते हैं और कंगालों को कुटिल मनुष्यों के नुकसान से सुरक्षित रखते हैं।

अय्यूब 5:18

वह मनुष्य क्यों धन्य है जिसे परमेश्वर सुधारते और ताड़ना देते है?

वह धन्य हैं क्योंकि परमेश्वर घावों को बाँधते हैं, और उनके हाथों से चंगा करते हैं।

अय्यूब 5:22

परमेश्वर द्वारा ताड़ना पाए मनुष्य किस में हँसमुख रहेगा?

वे उजाड़ और अकाल में हँसमुख रहेगा।

अय्यूब 5:24

जब परमेश्वर द्वारा ताड़ना पाए मनुष्य अपने निवास में दौरा करेंगे, तो वे क्या पाएंगे?

वह पाएंगे कि कोई वस्तु खोई न होगी।

अय्यूब 5:26

जिस मनुष्य को परमेश्वर ताड़ना देते हैं, वह कितने समय तक जीवित रहेगा?

वह पूरी अवस्था का होकर कब्र को पहुँचेगा।

अय्यूब 6:2–3

अय्यूब अपनी पीड़ा और विपत्ति का वर्णन कैसे करते हैं?

यदि उनकी पीड़ा और विपत्ति को तौला जाए, तो वे समुद्र की रेत से भी भारी ठहरती।

अय्यूब 6:4

सर्वशक्तिमान ने अपने तीरों से अय्यूब के साथ क्या किया है?

उनके तीर अय्यूब के अन्दर चुभे हैं, और उनका विष अय्यूब के आत्मा में पैठ गया है।

अय्यूब 6:6

अय्यूब किस भोजन के बारे में कहते हैं कि उसमें कोई स्वाद नहीं है?

वह कहते हैं कि अण्डे की सफेद हिस्सा किसी भी प्रकार का स्वाद नहीं रखता।

अय्यूब 6:8–9

अय्यूब परमेश्वर से कौन-सी एक विनती करना चाहते हैं कि वे उन्हें दें ?

वह चाहते हैं कि परमेश्वर उन्हें कुचल दें और और हाथ बढ़ाकर उनके जीवन से उन्हें काट दें।

अय्यूब 6:10

अय्यूब की शान्ति क्या है?

उनकी शान्ति यह है कि उन्होंने पवित्र के वचनों का कभी इन्कार नहीं किया है।

अय्यूब 6:13

अय्यूब से क्या दूर हो गया?

काम करने की शक्ति उनसे दूर हो गई है।

अय्यूब 6:14

किस पर कृपा करनी चाहिए?

पड़ोसी पर कृपा करनी चाहिए।

अय्यूब 6:15–17

अय्यूब अपने भाइयों की तुलना मरूभूमि की नाले के समान कैसे करते हैं?

वे नाले के समान विश्वासघाती हो गए हैं: वे सूखे मौसम में उड़ जाते हैं।

अय्यूब 6:18–20

जब उन्होंने इन धाराओं में पानी की खोज की, तो बंजारे के साथ क्या हुआ?

वे बंजारे सुनसान स्थान में भटक गए और फिर नाश हो गए। वे निराश और ठगे हुए थे।

अय्यूब 6:21

अय्यूब के मित्र उसके लिए सहायक क्यों नहीं थे?

उन्होंने उसकी भयानक स्थिति देखी और डर गए, इसलिए उन्होंने उसकी सहायता नहीं की।

अय्यूब 6:24

अय्यूब कहता है कि यदि उसके मित्र उन्हें शिक्षा देंगे, तो वह क्या करेंगे?

वह चुप रहेंगे।

अय्यूब 6:26

अय्यूब ने अपने मित्रों से क्या कहा कि वे उनके बातों का क्या करेंगे?

वे उनकी बातों को सुधारने और जो उन्होंने कहा है उसे नजरअंदाज करने की योजना बना रहे हैं।

अय्यूब 6:29

अय्यूब क्यों कहते हैं कि उनके मित्रों को उन पर अपने हमले कम कर देने चाहिए?

अय्यूब के मुकद्दमे में उनका धर्म ज्यों का त्यों बना है।

अय्यूब 7:2–3

अय्यूब अपने अनर्थ के महीनों और क्लेश से भरी रातों की तुलना किससे करते हैं?

वह उनकी तुलना एक दास से करते हैं जो गर्मी से छाया चाहता है, या एक मजदूर से जो अपनी मजदूरी की आशा में है।

अय्यूब 7:5

अय्यूब के शरीर को क्या ढकी हुई है?

कीड़ों और मिट्टी के ढेले, खुले फोड़े और संक्रमण उनके देह को ढकी हुई है।

अय्यूब 7:6

अय्यूब अपने दिनों की फुर्ती का वर्णन करने के लिए किस चित्र का उपयोग करते हैं?

उनके दिन जुलाहे की ढरकी से अधिक फुर्ती से चलनेवाले हैं।

अय्यूब 7:9

अय्यूब उस व्यक्ति की तुलना किससे करते हैं जो अधोलोक में जाता है?

वह एक बादल की तरह है जो छटकर लोप हो जाता है।

अय्यूब 7:11

अय्यूब किस प्रकार से कहेंगे और कुड़कुड़ाएंगे?

वे अपने मन का खेद खोलकर कहेंगे और अपने जीव की कड़वाहट के कारण कुड़कुड़ाएंगे।

अय्यूब 7:14

जब अय्यूब बिस्तर पर जाते हैं, तो परमेश्वर क्या करते हैं?

परमेश्वर उन्हें स्वप्नों के द्वारा घबरा देते हैं और दर्शनों से भयभीत कर कर देते हैं ।

अय्यूब 7:16

अय्यूब क्यों चाहते थे कि परमेश्वर उन्हें अकेला छोड़ दें?

अय्यूब ने कहा कि उनके जीवनकाल साँस सा है (व्यर्थ हैं)।

अय्यूब 7:19

अय्यूब परमेश्वर से क्या निवेदन करते हैं कि वे उन्हें अकेला छोड़ दें?

वह चाहते हैं कि उन्हें इतना अकेला छोड़ दिया जाए कि वे अपनी थूक निगल सकें।

अय्यूब 7:21

अय्यूब को क्या लगता है कि परमेश्वर क्या नहीं करेंगे?

अय्यूब को क्या लगता है कि परमेश्वर उनके अपराध को क्षमा नहीं करेंगे और उनके अधर्म को दूर नहीं करेंगे।

अय्यूब 8:2

बिल्दद ने अय्यूब के मुँह की बातों की तुलना किससे की?

उन्होंने उनकी तुलना एक प्रचण्ड वायु से की।

अय्यूब 8:4

बिल्दद ने कैसे कहा कि उन्हें पता था कि अय्यूब के बच्चे पाप कर रहे थे?

उन्होंने कहा कि उन्हें यह पता था क्योंकि परमेश्वर ने उनके अपराध के लिए उन्हें फल भुगताया है।

अय्यूब 8:6

बिल्दद कैसे कहते हैं कि परमेश्वर अय्यूब को आशीष देंगे यदि अय्यूब निर्मल और धर्मी रहते?

परमेश्वर अय्यूब को उनके धार्मिकता का निवास फिर ज्यों का त्यों कर देंगे।

अय्यूब 8:9

बिल्दद हमारे पृथ्वी पर बिताए दिनों की तुलना किससे करते हैं?

वे कहते हैं कि वे एक छाया के समान हैं।

अय्यूब 8:11

कछार और सरकण्डा को बढ़ने के लिए क्या चाहिए?

कछार को बढ़ने के लिए घास पानी और सरकण्डे को बढ़ने के लिए जल की आवश्यकता होती है।

अय्यूब 8:14

बिल्दद भक्तिहीन के भरोसे की तुलना किससे करते हैं?

उनका भरोसा मकड़ी के जाले के समान नाजुक है।

अय्यूब 8:17

वे जड़ें क्या दर्शाती हैं जो उस व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं जो परमेश्वर को भूल जाता है?

जड़ें कंकड़ों के ढेर में लिपटी हुई रहती है और वह पत्थर के स्थान को देख लेता है।

अय्यूब 8:20

परमेश्वर खरे मनुष्य और बुराई करनेवालों के साथ कैसे भिन्न व्यवहार करते हैं?

वह खरे मनुष्य को नहीं छोड़ेंगे, लेकिन बुराई करनेवालों का हाथ नहीं संभालेंगे।

अय्यूब 8:21

परमेश्वर खरे मनुष्य के मुख और होंठों को किससे परिपूर्ण करेंगे?

वह आपके मुँह को हँसमुख करेंगे और आपके होंठों से जयजयकार कराएंगे।

अय्यूब 9:3

यदि कोई व्यक्ति परमेश्वर के साथ मुकद्दमा लड़ने का प्रयास करे तो क्या होगा?

वह व्यक्ति हजार बातों में से एक का भी उत्तर न दे सकेगा।

अय्यूब 9:5

जब परमेश्वर क्रोधित होते हैं, तो वह पहाड़ों के साथ क्या करते हैं?

वह पर्वतों को अचानक हटा देते हैं और उन्हें उलट-पुलट कर देते हैं।

अय्यूब 9:8

परमेश्वर किस चीज पर चलते हैं?

वह समुद्र की ऊँची-ऊँची लहरों पर चलते हैं।

अय्यूब 9:11

क्या अय्यूब परमेश्वर को देख पाते हैं जब वे सामने से होकर चलते हैं?

परमेश्वर उनके सामने से होकर चलते हैं और अय्यूब उन्हें देख या समझ नहीं पाते हैं।

अय्यूब 9:15

यदि अय्यूब निर्दोष भी होते, तो उन्हें परमेश्वर को किस प्रकार संबोधित करना पड़ता?

अय्यूब उनका उत्तर नहीं दे सके, परन्तु केवल मुद्दई से गिड़गिड़ाकर विनती कर सकते थे।

अय्यूब 9:17

अय्यूब परमेश्वर पर विश्वास क्यों करते हैं जब उनके पास चोट पर चोट हैं?

अय्यूब ने विश्वास किया कि परमेश्वर ने बिना कारण उन्हें चोट पर चोट दिया।

अय्यूब 9:20

क्या अय्यूब निर्दोष और खरा हो सकते हैं?

नहीं, तब भी, उनका मुँह उन्हें दोषी ठहराएगा और उन्हें कुटिल ठहराएगा।

अय्यूब 9:22

क्या अय्यूब मानते हैं कि परमेश्वर खरे और दुष्ट दोनों के साथ भिन्न व्यवहार करते हैं?

वह कहते हैं कि परमेश्वर खरे और दुष्ट दोनों को एक साथ नाश कर देते हैं।

अय्यूब 9:25–26

अय्यूब अपने दिनों की वेग की तुलना किन तीन चीजों से करते हैं?

वे दौड़ते हुए हरकारे से भी अधिक तेज हैं, वे सरकण्डों की नावों के समान तेज हैं, और अहेर पर झपटते हुए उकाब के जितने तेज हैं।

अय्यूब 9:27–29

अय्यूब ने क्यों कहा कि अपनी शिकायतों को भूलना व्यर्थ होगा?

परमेश्वर उन्हें निर्दोष नहीं मानेंगे, लेकिन अय्यूब को दोषी ठहराएंगे।

अय्यूब 9:33

अय्यूब ने ऐसा क्या कहा जो कोई बिचवई नहीं कर सकता था?

कोई बिचवई अय्यूब और परमेश्वर दोनों पर हाथ नहीं रख सकता।

अय्यूब 9:34

अय्यूब का कहना है कि कोई अन्य बिचवई क्या नहीं कर सकते?

कोई अन्य बिचवई नहीं हैं जो परमेश्वर के सोंटा को अय्यूब से ले सकें, या अय्यूब को परमेश्वर के भय से घबराने से रोक सके।

अय्यूब 10:2

अय्यूब क्यों चाहते हैं कि परमेश्वर उन्हें केवल दोषी ठहराने के बजाय अपनी योजना बताएं?

वह चाहते हैं कि परमेश्वर अय्यूब को बताएं कि वे उन पर दोष क्यों लगाते हैं।

अय्यूब 10:4

अय्यूब ने परमेश्वर से पूछा कि क्या उनकी आँखें कैसी हैं?

अय्यूब उनसे पूछते हैं कि क्या उनकी आँखें मनुष्य की तरह हैं और क्या वे वैसे ही देखते हैं जैसे एक मनुष्य देखता है।

अय्यूब 10:6

अय्यूब क्या कहता है कि परमेश्वर ढूँढ़ते और पूछते है?

परमेश्वर अय्यूब की अधर्म के बारे में ढूँढ़ते हैं और उसके पाप के बारे में पूछते हैं।

अय्यूब 10:8

परमेश्वर के हाथों ने अय्यूब के लिए क्या किया था?

उन्होंने अय्यूब को ठीक रचा और जोड़कर बनाया, फिर भी वे उन्हें नाश कर रहे हैं।

अय्यूब 10:11

परमेश्वर ने अय्यूब पर क्या चढ़ाया?

उन्होंने उस पर चमड़ा और माँस चढ़ाया।

अय्यूब 10:12

परमेश्वर ने अय्यूब को क्या दिया है?

परमेश्वर ने उन्हें जीवन और उन पर करुणा की है।

अय्यूब 10:14

यदि अय्यूब पाप करते तो परमेश्वर क्या करते?

परमेश्वर उनके पाप को देखेंगे, और उन्हें उनके अधर्म करने पर निर्दोष नहीं ठहराएंगे।

अय्यूब 10:16

यदि अय्यूब का सिर ऊपर उठाया जाता, तो परमेश्वर अय्यूब के साथ क्या करते?

परमेश्वर उनका अहेर एक सिंह के समान करेंगे।

अय्यूब 10:17

परमेश्वर अय्यूब के विरुद्ध किसे लाएंगे?

परमेश्वर उनके विरुद्ध नये-नये साक्षी लाएंगे।

अय्यूब 10:18

अय्यूब क्या चाहते थे कि उनके साथ क्या हुआ होता?

वह चाहते हैं कि वह प्राण छोड़ देते और किसी ने उन्हें कभी नहीं देखा होता।

अय्यूब 10:21

अय्यूब कहाँ जा रहे हैं, जहाँ से वे वापस नहीं आएंगे?

वह घोर अंधकार के देश में जा रहे हैं।

अय्यूब 11:3

सोपर को क्या लगा कि अय्यूब ने उनकी शिक्षा का क्या किया था?

उन्होंने सोचा कि अय्यूब ने उनके दोस्तों की शिक्षा का ठट्ठा उड़ाया था।

अय्यूब 11:6

सोपर ने कहा कि परमेश्वर ने अय्यूब से क्या माँगा है?

उसने कहा कि परमेश्वर ने अय्यूब से उसके अधर्म में से बहुत कुछ भूल जाता है।

अय्यूब 11:7–9

क्या सोपर मानते हैं कि अय्यूब परमेश्वर का गूढ़ भेद पा सकते हैं?

सोपर सोचते हैं कि यह असंभव है क्योंकि परमेश्वर आकाश जितना ऊँचा, अधोलोक से गहरा, पृथ्वी से लंबा और समुद्र से चौड़ा हैं।

अय्यूब 11:10–11

क्या सोपर को लगता है कि परमेश्वर को रोकना किसी के लिए भी संभव है?

परमेश्वर को रोकना असंभव है क्योंकि वे पाखण्डी मनुष्यों का भेद जानते हैं और अनर्थ काम को दंडित करते हैं।

अय्यूब 11:12

सोपर कहते हैं कि निर्बुद्धि मनुष्य बुद्धिमान कब होगा?

वह बुद्धिमान तब होगा जब मनुष्य जंगली गदहे के बच्चे के समान जन्म लेगा, जिसका अर्थ है कभी नहीं!

अय्यूब 11:16

सोपर का कहना है कि यदि अय्यूब वास्तव में अपनी दुःख भूल जाएगा, तो उनकी पीड़ा का क्या होगा?

अय्यूब अपनी पीड़ा को भूल जाएंगे और उसे पानी के समान स्मरण करेगा जो बह गया हो।

अय्यूब 11:18

यदि अय्यूब अपनी दुःख को भूल जाए, तो वह निर्भय क्यों होंगे?

वे निर्भय रहेंगे क्योंकि वहाँ आशा होगी।

अय्यूब 11:20

सोपर का कहना है कि दुष्ट लोगों की आशा क्या होगी?

वे कहते हैं कि उनकी आशा प्राण निकल जाने में है, जिसका अर्थ है कि वे केवल मृत्यु की आशा कर सकते हैं।

अय्यूब 12:3

अय्यूब अपने मित्रों की तुलना में स्वयं को कैसे देखते हैं?

वह कहते हैं कि उनके पास भी समझ है और वे उनसे कुछ नीचा नहीं हैं।

अय्यूब 12:4

अब अय्यूब के मित्र उनके बारे में क्या सोचते हैं?

वे उन पर हँसते हैं।

अय्यूब 12:7–8

अय्यूब के विचार से उसके मित्रों को कौन सिखा सकता है?

पशु, पक्षी, पृथ्वी, और समुद्र की मछलियाँ उनके मित्रों को सिखा सकती थीं।

अय्यूब 12:9

सभी जानवर क्या जानते हैं?

वे जानते हैं कि यहोवा ही ने अपने हाथ से इस संसार को बनाया है।

अय्यूब 12:12

अय्यूब बूढ़ों और समझ के बारे में क्या कहते हैं?

जैसे-जैसे लोग बूढ़ों होते जाते हैं, उनके पास बुद्धिमानी और समझ बढ़ती जाती है।

अय्यूब 12:15

परमेश्वर जल का क्या करते हैं?

वह उन्हें रोकते हैं और वे सूख जाते हैं, और वह उन्हें छोड़ देते हैं तब पृथ्वी उलट जाती है।

अय्यूब 12:18

परमेश्वर राजाओं से क्या लेता है?

वह उनसे अधिकार तोड़ देते हैं।

अय्यूब 12:20

अय्यूब परमेश्वर के बारे में क्या कहते हैं कि वह विश्वासयोग्य पुरुषों और पुरनियों के साथ कैसे व्यवहार करते हैं?

वह विश्वासयोग्य पुरुषों से बोलने की शक्ति और पुरनियों से विवेक की शक्ति हर लेते हैं।

अय्यूब 12:23

अय्यूब परमेश्वर के बारे में जातियों से क्या कहता है?

वह उन्हें बढ़ाते हैं या नाश करते हैं, और उन्हें फैलाते हैं या बँधुआई में ले जाते हैं।

अय्यूब 12:24

जब परमेश्वर पृथ्वी के मुख्य लोगों की बुद्धि उड़ा देते हैं, तो उनके साथ क्या होता है?

वह उनको निर्जन स्थानों में जहाँ रास्ता नहीं है, भटकाते हैं।

अय्यूब 13:2

अय्यूब अपने समझ की तुलना अपने मित्रों के समझ से कैसे करते हैं?

अय्यूब कहते हैं कि उनके पास भी वही जानकारी है जो दूसरों के पास है, और वह उनसेकुछ कम नहीं हैं।

अय्यूब 13:3

अय्यूब अपने मित्रों के बजाय किससे बात करना पसंद करेंगे और क्यों?

वे सर्वशक्तिमान से बात करना पसंद करेंगे क्योंकि अय्यूब परमेश्वर के साथ वाद-विवाद करना चाहते हैं।

अय्यूब 13:5

अय्यूब अपने मित्रों के चुप रहने की इच्छा के बारे में क्या कहते हैं?

वह कहते हैं कि उनके दोस्तों के चुप रहने से वे बुद्धिमान ठहरते हैं।

अय्यूब 13:6

अय्यूब अपने मित्रों को क्या बताना चाहते हैं?

वह चाहते हैं कि वे उनकी विवाद सुने और उनके विनती की बातों पर कान लगाएं।

अय्यूब 13:10

क्या परमेश्वर अय्यूब के मित्रों के पक्षपात को स्वीकार करेंगे?

नहीं, अगर वे पक्षपात दिखाते तो वह उन्हें निश्चय डाँटे लगाते।

अय्यूब 13:12

अय्यूब अपने मित्रों की नीतिवचन और उनके गढ़ के बारे में क्या विचार रखते हैं?

वे कहते हैं कि उनकी नीतिवचन राख के समान हैं, और उनकी गढ़ मिट्टी ही के ठहरे हैं।

अय्यूब 13:13

अय्यूब अपने मित्रों से क्या अनुरोध करते हैं ताकि वह बोल सकें?

अय्यूब उनसे अनुरोध करते हैं कि वे उनसे बात करना छोड़ दें और उन्हें बोलने दें।

अय्यूब 13:16

अय्यूब को क्यों लगता है कि उन्हें निर्दोष ठहराया जाएगा?

वे परमेश्वर के सामने एक भक्तिहीन जन की तरह नहीं आते।

अय्यूब 13:18

अय्यूब ने क्या तैयारी की है?

उन्होंने अपनी मुकद्दमे की पूरी तैयारी की है।

अय्यूब 13:21

अय्यूब क्या चाहते हैं कि परमेश्वर उनसे दूर कर लें?

अय्यूब चाहते हैं कि परमेश्वर अपनी ताड़ना उनसे हटा लें और अपने भय से उन्हें भयभीत न करे।

अय्यूब 13:24

परमेश्वर अय्यूब के साथ किस प्रकार का व्यवहार करते हैं?

वह अय्यूब को अपने शत्रु के समान गिनते हैं।

अय्यूब 13:28

अय्यूब कहते हैं कि वह किन व्यर्थ चीजों के समान हैं?

वह एक सड़ी-गली वस्तु के तुल्य है जो नाश हो जाती है, और कीड़ा खाए कपड़े के तुल्य है।

अय्यूब 14:2

अय्यूब कैसे कहते हैं कि मनुष्य फूल के समान है?

मनुष्य फूल के समान खिलता, फिर तोड़ा जाता है।

अय्यूब 14:5

मनुष्य के दिन कौन नियुक्त करता है?

परमेश्वर ने उनके दिनों और महीनों की गिनती नियुक्त की है।

अय्यूब 14:7

अय्यूब कटे हुए वृक्ष के बारे में क्या कहते हैं?

कटे हुए वृक्ष के लिए आशा रहती है, क्योंकि वह फिर से पनपेगा।

अय्यूब 14:12

क्या अय्यूब कहता है कि मनुष्य पुनः उठ सकता है?

वे कहते हैं कि लोग फिर नहीं उठते हैं और उसकी नींद नहीं टूटेगी।

अय्यूब 14:13

अय्यूब चाहते हैं कि परमेश्वर उन्हें कहाँ छिपा दे?

अय्यूब चाहते हैं कि परमेश्वर उन्हें अधोलोक में छुपा दें, ताकि वे परेशानियों से दूर रहें।

अय्यूब 14:17

यदि परमेश्वर का कोप समाप्त हो जाए, तो परमेश्वर अय्यूब के अपराध और अधर्म का कैसे न्याय करेंगे?

परमेश्वर अय्यूब के अपराधों को एक छाप लगी हुई थैली में बंद कर देंगे, और अय्यूब के अधर्म को ढक देंगे।

अय्यूब 14:19

समय के साथ जल क्या अद्‌भुत कार्य कर सकता है?

पानी पत्थरों को घिस सकता है।

अय्यूब 14:21

एक मृत व्यक्ति अपने पुत्रों (अपने बच्चों) के बारे में किन बातों का हाल नहीं जानता?

यदि पुत्रों की बड़ाई होती है या उनकी घटी होती है, तो उन्हें इसका हाल नहीं जानता।

अय्यूब 15:2

एक बुद्धिमान व्यक्ति को अपने अन्तःकरण को किससे नहीं भरना चाहिए?

उन्हें अपने आप को पूर्वी पवन से नहीं भरना चाहिए।

अय्यूब 15:4

एलीपज को क्यों लगता है कि अय्यूब के बयानों ने परमेश्वर का अपमान किया है?

वह सोचता है कि अय्यूब भय मानना छोड़ देता है और परमेश्वर की भक्ति करना औरों से भी छुड़ाता है।

अय्यूब 15:9

क्या एलीपज को लगता है कि अय्यूब को कुछ ऐसा समझ है जो अन्य मित्रों को नहीं है?

वह नहीं सोचते कि अय्यूब वह जानते हैं जो वे नहीं जानते, या कि वह वह समझते हैं जो वे नहीं समझते।

अय्यूब 15:10

एलीपज पूछता है कि कौन लोग अय्यूब के दोस्तों से सहमत हैं?

एलीपज और उनके दोस्तों के साथ वे पक्के बाल वाले और अति पुरनिये मनुष्य हैं जो अय्यूब के पिता से भी बहुत आयु के हैं।

अय्यूब 15:13

एलीपज का मानना है कि अय्यूब ने क्या किया है?

वह सोचता है कि अय्यूब ने अपनी आत्मा को परमेश्वर के विरुद्ध कर लिया है।

अय्यूब 15:15

परमेश्वर अपने पवित्रों और स्वर्ग को किस दृष्टि से देखते हैं?

वह अपने पवित्रों पर भी विश्वास नहीं करते, और स्वर्ग भी उनकी दृष्टि में निर्मल नहीं है।

अय्यूब 15:17–18

एलीपज को वे बातें किससे प्राप्त हुईं जिन्हें वह अय्यूब को बताएंगे?

जो बातें उन्होंने देखी हैं, वे ऐसी बातें हैं जो बुद्धिमानों ने अपने पुरखाओं से सुनकर बिना छिपाए बताया है।

अय्यूब 15:21

दुष्ट जन पर विनाश कब आएगा?

नाश करनेवाला उस पर तब आएगा जब वह अपनी कुशल के समय में होगा।

अय्यूब 15:22

दुष्ट व्यक्ति के घात में क्या रहती है?

तलवार दुष्ट व्यक्ति के घात में रहती है।

अय्यूब 15:26

दुष्ट व्यक्ति किसके साथ परमेश्वर के विरुद्ध धावा करता है?

वह सिर उठाकर और अपनी मोटी-मोटी ढालें दिखाता हुआ घमण्ड से परमेश्वर की ओर धावा करता है।

अय्यूब 15:28

दुष्ट व्यक्तियों के नगरों और घरों का क्या होगा?

वे खण्डहर होने को छोड़े गए हैं।

अय्यूब 15:30

दुष्टों को दूर करने का कारण क्या होगा?

वे परमेश्वर के मुँह की श्वास से उड़ जाएँगे।

अय्यूब 15:31

दुष्ट व्यक्ति को व्यर्थ बातों पर भरोसा करने से क्या प्रतिफल होगा?

धोखा उनका प्रतिफल होगा।

अय्यूब 15:34

भक्तिहीन के भविष्य क्या होगा?

यह बंजर होगा, और आग से घूस लेने वाले की तम्बू जल जाएँगे।

अय्यूब 16:2–3

अय्यूब ने अपने मित्रों द्वारा दी गई सांत्वना के बारे में क्या कहा?

अय्यूब ने कहा वे निकम्मे शान्तिदाता है और अपनी व्यर्थ बातों से उसे और अधिक दुखी कर रहे हैं।

अय्यूब 16:6

अय्यूब की बोलने की शैली उनके शोक को कैसे प्रभावित करती है?

यदि वह बोलते हैं, तो उनका शोक नहीं घटता, और यदि वह चुप रहते हैं, तो भी उनका दुःख कुछ कम नहीं होता।

अय्यूब 16:10

जब परमेश्वर अय्यूब की परीक्षा लेते हैं, तो अन्य लोग उनके साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं?

वे अय्यूब को मुँह पसारते हुए देखते हैं, उन्हें गाल पर थप्पड़ मारते हैं, और उनके विरुद्ध भीड़ लगाते हैं।

अय्यूब 16:11

परमेश्वर ने अय्यूब को किसके वश में कर दिया है?

परमेश्वर ने उन्हें कुटिलों के वश में कर दिया है और उन्हें दुष्ट लोगों के हाथ में फेंक दिया है।

अय्यूब 16:13

परमेश्वर ने अय्यूब को कैसे पीड़ा दी है?

उन्होंने अय्यूब के गुर्दे को बेधा है और उनके पित्त को भूमि पर बहा दिया है।

अय्यूब 16:15

अय्यूब ने अपने दुख को प्रकट करने के लिए अपनी खाल के साथ क्या किया है?

उन्होंने अपनी त्वचा पर टाट सी लिया है।

अय्यूब 16:19

अय्यूब का साक्षी और अय्यूब के लिए गवाही देने में कौन सक्षम हैं?

अय्यूब का साक्षी स्वर्ग में है, और जो उनका गवाह है वह ऊपर है।

अय्यूब 16:20

जब उनके मित्र उनसे घृणा करते हैं, तो अय्यूब किसकी ओर मुड़ते हैं?

अय्यूब परमेश्वर के सामने आँसू बहाते हैं।

अय्यूब 17:2

अय्यूब को हमेशा क्या देखना चाहिए?

उन्हें हमेशा उन ठट्ठा करनेवाले और उनका झगड़े - रगड़े को लगातार देखना चाहिए।

अय्यूब 17:3

अय्यूब परमेश्वर से कौन सी प्रतिज्ञा चाहते हैं?

वह चाहते हैं कि परमेश्वर स्वयं को अय्यूब के लिए एक जमानत के रूप में प्रतिज्ञा करें।

अय्यूब 17:5

किसके दुष्ट कार्यों के कारण उनके बच्चों की आँखें अंधी हो जाएंगी?

जो व्यक्ति इनाम के लिए अपने मित्रों को चुगली खाकर लूटा देता, वह अपने बच्चों की आँखों को अँधा कर देगा।

अय्यूब 17:7

दुख के कारण अय्यूब की आँखों और उसके अंग को क्या हुआ?

उनकी आँखों में धुंधलापन छा गया है और उनके सब अंग छाया के समान हो गए हैं।

अय्यूब 17:10

क्या अय्यूब यह सोचते हैं कि वे अपने मित्रों में से किसी बुद्धिमान व्यक्ति को ढूंढ सकते हैं?

अय्यूब जानते हैं कि उन्हें उनके बीच कोई बुद्धिमान पुरुष नहीं मिलेगा।

अय्यूब 17:11

क्या अय्यूब के पास भविष्य के लिए कोई योजना है?

अय्यूब की योजनाएँ समाप्त हो गई हैं, जैसे उनके मन की मनसाएँ मिट गई हैं।

अय्यूब 17:14

अय्यूब के माता-पिता और बहन के साथ क्या हुआ?

सड़ाहट उनके पिता बन गया है, और कीड़ा उनकी माँ और बहन है।

अय्यूब 18:3

बिल्दद को क्यों लगा कि अय्यूब अपने मित्रों को तिरस्कार की दृष्टि से देखते हैं?

बिल्दद ने सोचा कि अय्यूब उन्हें पशु के तुल्य समझते हैं और यह मान रहे हैं कि वे मूर्ख हैं।

अय्यूब 18:5

दुष्ट व्यक्ति के दीपक का क्या परिणाम होगा?

उनकी दीपक बुझ जाती है; उनकी आग की लौ नहीं चमकेगी।

अय्यूब 18:8

दुष्ट व्यक्ति को किस चीज़ में फंसाया जाएगा?

वह अपना ही पाँव जाल में फँसाएगा, और वह फंदों पर चलेगा।

अय्यूब 18:9–10

दुष्ट व्यक्ति को क्या पकड़ेगा?

वह एक जाल, एक फंदा और एक जाल वाले रास्ते में फँस जाएगा।

अय्यूब 18:12

दुष्ट व्यक्ति के बल का क्या परिणाम होगा?

उन के बल दुःख से घट जाएगी।

अय्यूब 18:14

दुष्ट पुरुष कहाँ अब नहीं रहेंगे?

वह अब अपने डेरे में नहीं रहेंगे, लेकिन स्वयं को बचाने में असमर्थ होंगे।

अय्यूब 18:16

दुष्ट मनुष्य के साथ क्या होगा, यह बताने के लिए बिलदद किस छवि का प्रयोग करते हैं?

वह दुष्ट मनुष्य को एक ऐसे पेड़ के रूप में वर्णित करते हैं जिसकी जड़ें जमीन के नीचे सूख जाएंगी और जिसकी डालियाँ ऊपर कट जाएँगी।

अय्यूब 18:19

क्या दुष्ट व्यक्ति के कोई कुटुम्बी होंगे?

उनके कुटुम्बियों में उनका कोई पुत्र-पौत्र न रहेगा, और न ही जहाँ वह रहते थे वहाँ कोई संबंधी बचा रहेगा।

अय्यूब 18:20

दुष्ट व्यक्ति के साथ जो होता है, उस पर लोग कैसे प्रतिक्रिया करते हैं?

दुष्ट व्यक्ति के साथ जो होता है, लोग उसे देखकर भयाकुल होंगे और उनके रोएँ खड़े हो जाएँगे।

अय्यूब 19:2

अय्यूब अपने मित्रों से क्या करने से मना करते हैं?

अय्यूब अपने मित्रों से कहते हैं कि वे उन्हें दुःख देना और अपने बातों से उन्हें चूर-चूर करना बंद करें।

अय्यूब 19:3

अय्यूब के मित्रों ने उनकी कितनी बार निन्दा की थी?

उन्होंने उनके साथ दस बार निन्दा की थी।

अय्यूब 19:4

यदि अय्यूब ने कोई भूल की है, तो यह किसकी सिर पर रहेगी?

अय्यूब कहते हैं कि उनकी भूल उनकी अपनी सिर पर रहेगी।

अय्यूब 19:6

अय्यूब कहते हैं कि परमेश्वर ने उनके साथ कैसा व्यवहार किया है?

अय्यूब कहते हैं कि परमेश्वर ने उन्हें गिरा दिया है और उन्हें अपने जाल में फँसा लिया है।

अय्यूब 19:7

जब अय्यूब सहायता के लिए पुकारते हैं क्योंकि उन्हें गिरा दिया गया है, तो क्या होता है?

उन्हें कोई नहीं सुनता है और कोई न्याय नहीं करता है।

अय्यूब 19:11

अय्यूब के अनुसार, परमेश्वर ने अय्यूब को किस प्रकार गिनते है?

अय्यूब कहते हैं कि परमेश्वर ने उन्हें अपने शत्रुओं में से एक गिना है।

अय्यूब 19:13–14

अय्यूब के कुटुम्बी और मित्रों के साथ क्या हुआ?

परमेश्वर ने उनके भाइयों को उनसे दूर कर दिया है, उनके जान-पहचान उनसे अलग हो गए हैं, उनके कुटुम्बी उन्हें छोड़ गए हैं, और उनके प्रिय मित्र उन्हें भूल गए हैं।

अय्यूब 19:16

जब अय्यूब उन्हें बुलाते हैं, तो अय्यूब का दास कैसे प्रतिक्रिया देता है?

जब अय्यूब अपने दास को बुलाते हैं, तो उनका दास नहीं बोलता है।

अय्यूब 19:19

अय्यूब के परम मित्र ने उनके साथ कैसा व्यवहार किया है?

उनके परम मित्र पलटकर उनके विरोधी हो गए।

अय्यूब 19:20

अय्यूब कैसे बचते हैं?

वह बाल-बाल बचते हैं।

अय्यूब 19:23–24

अय्यूब अपनी बातों का क्या परिणाम चाहते हैं?

वह चाहते हैं कि उनकी बातें लिखी जाए और पुस्तक में लिखी जाए, या लोहे की टाँकी और सीसे से वे सदा के लिये चट्टान पर खोदी जाए।

अय्यूब 19:25

अय्यूब क्या कहते हैं कि उन्हें क्या निश्चय है?

वह जानते हैं कि उनके छुड़ानेवाला जीवित है, और अंत में उनके छुड़ानेवाला पृथ्वी पर खड़े होंगे।

अय्यूब 19:26

अय्यूब कहते हैं कि जब उनका शरीर नाश हो जाएगा, तब क्या होगा?

अय्यूब अपने शरीर में होकर परमेश्वर का दर्शन पाएंगे।

अय्यूब 19:29

जलजलाहट क्या परिणाम लाता है?

जलजलाहट तलवार का दण्ड लाता है।

अय्यूब 20:1–3

सोपर ने अय्यूब को फुर्ती से उत्तर क्यों दिया?

उन्होंने अय्यूब को फुर्ती से उत्तर दिया क्योंकि वे अय्यूब की बातों से परेशान थे। वे अय्यूब की डाँट सुनते हैं और कहते हैं कि यह उन्हें निन्दा करता है।

अय्यूब 20:5

भक्तिहीनों का आनंद कितने समय तक रहता है?

भक्तिहीनों का आनंद केवल पल भर का होता है।

अय्यूब 20:7

दुष्ट व्यक्ति का नाश कैसे होगा?

वह सदा के लिये नाश हो जाएगा, जैसे विष्ठा लुप्त हो जाता है।

अय्यूब 20:8

दुष्ट व्यक्ति कैसे जाएगा?

वह एक स्वप्न के समान लोप हो जाएगा, और रात में देखे हुए रूप के समान वह रहने न पाएगा।

अय्यूब 20:10

दुष्ट व्यक्ति के बच्चे क्या करेंगे?

उनके बच्चे कंगालों से विनती करेंगे।

अय्यूब 20:14

दुष्ट व्यक्ति के भीतर दुष्टता का क्या होता है?

उनके भोजन उसके पेट में पलटेगा, और उसके अन्दर नाग का सा विष बन जाएगा।

अय्यूब 20:15

उस धन का क्या होगा जिसे दुष्ट मनुष्य निगल जाएगा?

वह उन्हें फिर से पेट में से उगल देगा।

अय्यूब 20:17

दुष्ट व्यक्ति किसका आनंद लेने के लिए जीवित नहीं रहेगा?

वे परमेश्वर से मिलने वाले आशीषों की नदियों अर्थात् मधु और दही की नदियों को देखने न पाएगा।

अय्यूब 20:19

दुष्ट व्यक्ति क्यों आनंदित नहीं होंगे?

उन्होंने कंगालों को पीसकर छोड़ दिया है और उनकी उपेक्षा की है, और उसने वह घर को छीन लिया है जिसे उसने नहीं बनाया था।

अय्यूब 20:21

दुष्ट की कुशल क्यों बनी नहीं रहती?

यह बनी नहीं रहती क्योंकि कोई वस्तु उसका कौर बिना हुए न बचती थी।

अय्यूब 20:23

जब दुष्ट व्यक्ति अपना पेट भरने वाला होता है, तो परमेश्वर उसके साथ क्या करेंगे?

जब वह खा रहे होंगे, परमेश्वर उन पर अपने क्रोध भड़काएंगे।

अय्यूब 20:24

जब दुष्ट व्यक्ति लोहे के हथियार लेकर भागेगा तो क्या होगा?

वह पीतल के धनुष से मारा जाएगा।

अय्यूब 20:27

आकाश और पृथ्वी दुष्ट व्यक्ति के खिलाफ क्या करेंगे?

आकाश उनकी अधर्म प्रगट करेगा और पृथ्वी उसके विरुद्ध खड़ी होगी।

अय्यूब 20:28

दुष्ट व्यक्ति के साथ परमेश्वर के क्रोध के दिन क्या होगा?

उनके घर की बढ़ती जाती रहेगी और उनका सामान बह जाएगा।

अय्यूब 21:3

अय्यूब को क्या लगता है कि उनके बोलने के बाद उनके मित्र क्या करेंगे?

वह सोचते हैं कि वे उनका ठट्ठा करते रहेंगे।

अय्यूब 21:5

जब लोग अय्यूब को देखेंगे तो वे कैसी प्रतिक्रिया देंगे?

वे चित्त लगाकर चकित हो जाएंगे और अपनी-अपनी उँगली दाँत तले दबा लेंगे।

अय्यूब 21:6

जब अय्यूब अपने कष्टों को स्मरण करते हैं तो क्या होता है?

वह घबरा जाते हैं; उनकी देह काँपने लगती है।

अय्यूब 21:7

अय्यूब दुष्ट लोग के बारे में क्या प्रश्न करते हैं?

अय्यूब पूछते हैं कि क्या कारण है कि दुष्ट लोग जीवित रहते हैं, बूढ़े भी हो जाते हैं, और उनका धन बढ़ता जाता है?

अय्यूब 21:10

दुष्टों के साँड़ और गाय का क्या होता है?

साँड़ गाभिन करता और चूकता नहीं है और गायें बियाती हैं और बच्चा कभी नहीं गिराती है।

अय्यूब 21:14

दुष्ट परमेश्वर से क्या कहते हैं?

वे परमेश्वर से दूर जाने के लिए कहते हैं, क्योंकि वे उनके गति जानने की कोई इच्छा नहीं रखते।

अय्यूब 21:16

`अय्यूब दुष्ट लोगों की विचार पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं?

वे उनके विचार से दूर रहना चाहते हैं।

अय्यूब 21:19

अय्यूब किसे दुष्ट व्यक्ति के अधर्म के लिए दंडित करना चाहते हैं?

अय्यूब चाहते हैं कि दुष्ट व्यक्ति अपने अधर्म का बदला स्वयं चुकाए, न कि उसके बच्चे, ताकि वह अपने अधर्म को जान सके।

अय्यूब 21:22

क्या कोई परमेश्वर को ज्ञान सिखा सकता है?

नहीं, वह तो ऊँचे पद पर रहनेवालों का भी न्याय करते हैं।

अय्यूब 21:26

उस व्यक्ति के साथ क्या होता है जो बड़े चैन और सुख से रहता हुआ मर जाता है और उसके साथ जो जीव में कुढ़कुढ़कर मरता है?

वे दोनों बराबर मिट्टी में मिल जाते हैं, और कीड़े उन्हें ढांक लेते हैं।

अय्यूब 21:27

अय्यूब अपने मित्रों के कल्पनाएँ और युक्तियों के बारे में क्या समझते हैं?

वह उनके कल्पनाएँ और युक्तियों को जानते हैं जिनसे वे उनके विषय में अन्याय से करते हैं।

अय्यूब 21:30

यात्रा करने वाले लोगों ने दुर्जन के साथ क्या होते हुए देखा है?

उन्होंने देखा है कि दुर्जन विपत्ति के दिन सुरक्षित रखा जाता है, और महाप्रलय के समय के लिये ऐसे लोग बचाए जाते हैं।

अय्यूब 21:32

दुष्ट व्यक्ति की कब्र के लिए लोग क्या करेंगे?

लोग उस कब्र की रखवाली करते रहते हैं।

अय्यूब 21:34

अय्यूब पूछते हैं कि सोपर उन्हें किस चीज़ से शान्ति देने का प्रयास कर रहे थे?

अय्यूब कहते हैं कि सोपर उन्हें ऐसी बातों से शान्ति देने का प्रयास कर रहे थे जो झूठ थीं।

अय्यूब 22:3

एलीपज अय्यूब से पूछते हैं कि क्या उनके धर्मी होने से सर्वशक्तिमान के लिए कुछ कर सकती है?

वह पूछते हैं कि उनके धर्मी होने से क्या सर्वशक्तिमान सुख पा सकते हैं।

अय्यूब 22:4

एलीपज अय्यूब की परमेश्वर के प्रति भक्ति का उपहास कैसे करता है?

वह व्यंग्यपूर्वक कहता है कि यदि अय्यूब वास्तव में धार्मिक होते, तो परमेश्वर उन्हें दंडित नहीं करते।

अय्यूब 22:6

एलीपज अय्यूब पर नंगे के साथ क्या व्यवहार करने का आरोप लगाते हैं?

वह कहता है कि अय्यूब ने नंगे के वस्त्र उतार लिये हैं।

अय्यूब 22:9

एलीपज ने अय्यूब पर विधवाओं के साथ क्या करने का आरोप लगाया?

वह दावा करता है कि अय्यूब ने विधवाओं को खाली हाथ लौटा दिया।

अय्यूब 22:11

एलीपज का कहना है कि अंधियारे ने अय्यूब के साथ क्या किया है?

वह कहते हैं कि अय्यूब अंधियारे में हैं ताकि उन्हें पता न चले कि क्या करना है।

अय्यूब 22:14

एलीपज क्या दावा करता है कि अय्यूब ने परमेश्वर द्वारा लोगों को न देखे जाने के बारे में क्या कहा था?

अय्यूब कहते हैं, "काली घटाओं से वह ऐसा छिपा रहता है कि वह कुछ नहीं देख सकता।"

अय्यूब 22:16

दुष्ट मनुष्य के घर की नींव का क्या होता है?

दुष्ट मनुष्य के घर की नींव बाढ़ वाली नदी के द्वारा बहा दी गई है।

अय्यूब 22:19

धर्मी लोग दुष्टों का अंत देखकर कैसे प्रतिक्रिया करते हैं?

धर्मी लोग दुष्टों का अंत देखकर आनन्दित होते हैं।

अय्यूब 22:21

यदि अय्यूब परमेश्वर के साथ मेल मिलाप में हों तो क्या होगा?

यदि अय्यूब परमेश्वर के साथ मेल मिलाप में हैं, तो उससे उनकी भलाई होगी।

अय्यूब 22:23

एलीपज का कहना है कि यदि अय्यूब सर्वशक्तिमान के पास फिरके समीप जाए तो क्या होगा?

यदि अय्यूब सर्वशक्तिमान के पास फिरके समीप जाए, तो वे फिर से बन जाएंगे।

अय्यूब 22:26

जब अय्यूब सर्वशक्तिमान में सुख पाएंगे तो क्या होगा?

जब अय्यूब सर्वशक्तिमान में सुख पाएंगे, तो वे परमेश्वर की ओर अपना मुँह बेखटके उठा सकेंगे।

अय्यूब 22:29

परमेश्वर नम्र मनुष्य के लिए क्या करते हैं?

परमेश्वर नम्र मनुष्य को बचाते हैं।

अय्यूब 23:2

क्या अय्यूब ने कुड़कुड़ाना समाप्त कर दिया है?

नहीं। अय्यूब ने कहा कि और भी बहुत कुछ है जिसके बारे में वे कुड़कुड़ा सकते हैं।

अय्यूब 23:4

यदि अय्यूब परमेश्वर से मिल पाते तो वह उनके सामने क्या करते?

वे परमेश्वर के सामने अपना मुकद्दमा पेश करते और बहुत से प्रमाण देते।

अय्यूब 23:6

क्या अय्यूब सोचते हैं कि यदि वे परमेश्वर से मिल पाते, तो परमेश्वर अपना बड़ा बल दिखाकर उनके विरुद्ध मुकद्दमा लड़ते?

नहीं, उन्हें लगता है कि परमेश्वर उन पर निष्पक्ष रूप से ध्यान देंगे।

अय्यूब 23:9

अय्यूब पूछते हैं कि परमेश्वर दाहिनी ओर क्या कर रहे हैं?

अय्यूब कहते हैं कि दाहिनी ओर, परमेश्वर स्वयं को छिपाते हैं ताकि कोई यह न देख सके कि वे वहाँ क्या कर रहे हैं।

अय्यूब 23:10

अय्यूब परमेश्वर द्वारा उनको ता लेने से क्या परिणाम की आशा रखते हैं?

जब परमेश्वर अय्यूब को ता लेंगे, तब वह सोने के समान बाहर आएंगे।

अय्यूब 23:12

अय्यूब ने परमेश्वर के मुख के वचन का क्या किया है?

अय्यूब ने अपने हृदय में परमेश्वर के वचनों को अपनी इच्छा से कहीं अधिक काम के जानकर सुरक्षित रखा है।

अय्यूब 23:14

परमेश्वर अय्यूब के लिए क्या करेंगे?

परमेश्वर अय्यूब के लिए जो कुछ ठाना है उसको पूरा करेंगे।

अय्यूब 23:15

जब अय्यूब परमेश्वर के विषय में सोचते हैं, तो उन्हें कैसा अनुभव होता है?

जब अय्यूब परमेश्वर के बारे में सोचते हैं, तो वे घबरा जाते हैं।

अय्यूब 23:17

अय्यूब के चेहरे को क्या ढाँप लिया है?

घोर अंधकार ने अय्यूब के मुँह को ढाँप लिया है।

अय्यूब 24:1

अय्यूब के अनुसार कौन से समय सर्वशक्तिमान द्वारा नहीं ठहराया गया?

अय्यूब पूछते हैं कि सर्वशक्तिमान द्वारा दुष्टों के न्याय के लिए समय क्यों नहीं ठहराया गया।

अय्यूब 24:3

दुष्ट लोग अनाथों के गधहे के साथ क्या करते हैं?

वे अनाथों के गधहे को हाँक ले जाते हैं।

अय्यूब 24:5

गरीब लोग क्या आशा करते हैं कि जंगल उन्हें क्या प्रदान करेगा?

वे आशा करते हैं कि जंगल उनके बच्चों के लिए भोजन प्रदान करेंगे।

अय्यूब 24:7

जाड़े के समय में दीन लोग किन चीजों की कमी महसूस करते हैं?

जाड़े के समय में उनके पास कोई ओढ़ने का कपड़ा नहीं है।

अय्यूब 24:8

शरण की कमी के कारण दीन क्या उपाय अपनाते हैं?

वे शरण की कमी के कारण एक चट्टान से लिपट जाते हैं।

अय्यूब 24:10

दीन लोग दूसरों के लिए क्या करते हैं, भले ही वे खुद भूखे रहें?

यद्यपि वे भूखे रहते हैं, फिर भी वे दूसरों के पूलियाँ ढोते हैं।

अय्यूब 24:11

गरीब लोग अपनी प्यास के बावजूद दूसरों के लिए क्या करते हैं?

वे दुष्टों की दीवारों के भीतर तेल पेरते और उनके कुण्डों में दाख रौंदते हुए भी प्यासे रहते हैं।

अय्यूब 24:14

रात में खूनी का स्वभाव कैसा होता है?

रात में, खूनी एक चोर के समान बन जाता है।

अय्यूब 24:16

दुष्ट लोग दिन को क्यों छिपे रहते हैं?

दुष्ट लोग उजियाले की परवाह नहीं करते।

अय्यूब 24:17

दुष्ट किस का भय जानते हैं?

वे घोर अंधकार का भय जानते हैं।

अय्यूब 24:19

अधोलोक किसे निगल जाता है?

अधोलोक उन लोगों को निगल जाता है जिन्होंने पाप किए हैं।

अय्यूब 24:21

दुष्ट किसे लूटता है?

दुष्ट बाँझ स्त्री को जो कभी नहीं जनी लूटता है।

अय्यूब 24:22

परमेश्वर किसे अपनी ओर खींच लेते हैं?

परमेश्वर बलात्कारियों को अपनी शक्ति से खींच लेते हैं।

अय्यूब 24:24

थोड़ी देर में बलात्कारियों के साथ क्या होगा?

केवल थोड़ी ही देर में, बलात्कारी जाते रहते हैं।

अय्यूब 25:2

परमेश्वर कहाँ शान्ति रखते हैं?

परमेश्वर ऊँचे-ऊँचे स्थानों में शान्ति रखते हैं।

अय्यूब 25:4

बिलदद किससे पूछते हैं कि क्या वे धर्मी ठहर सकते हैं और परमेश्वर के सामने निर्मल हो सकते हैं?

वह पूछते हैं कि क्या जो स्त्री से उत्पन्न हुआ, वह धर्मी और परमेश्वर के सामने निर्मल हो सकता है।

अय्यूब 25:6

बिल्दद मनुष्य की तुलना किससे करते हैं?

वह कहते हैं कि मनुष्य एक कीड़े के समान है।

अय्यूब 26:4

अय्यूब पूछते हैं कि बिल्दद किसके हित के लिये बातें बोल रहे हैं?

अय्यूब कहते हैं कि बिल्दद परमेश्वर के वचन नहीं बोल रहे हैं, बल्कि अपने मन की बातें बोल रहे हैं।

अय्यूब 26:6

परमेश्वर के सामने क्या ढँप नहीं सकता?

अधोलोक उसके सामने उघड़ा रहता है, और विनाश का स्थान ढँप नहीं सकता।

अय्यूब 26:8

परमेश्वर जल को कहाँ बाँध रखते हैं?

वह जल को अपनी काली घटाओं में बाँध रखते हैं।

अय्यूब 26:9

परमेश्वर चाँद को कैसे छिपाए रखते हैं?

वे बादल फैलाकर चाँद को छिपाए रखता है।

अय्यूब 26:12

परमेश्वर ने अपनी बल से किसे शान्त किया?

उन्होंने अपनी बल से समुद्र को शान्त किया।

अय्यूब 26:13

परमेश्वर ने आकाशमण्डल को किसके माध्यम से स्वच्छ किया?

अपनी आत्मा से, उन्होंने आकाशमण्डल को स्वच्छ किया है।

अय्यूब 26:14

लोग परमेश्वर के गति का कितना अंश देख सकते हैं?

लोग केवल परमेश्वर के गति के किनारों को ही देख पाते हैं।

अय्यूब 27:2

अय्यूब कहता है कि परमेश्वर ने उनका क्या बिगाड़ दिया है?

परमेश्वर ने उनका न्याय बिगाड़ दिया है।

अय्यूब 27:4

अय्यूब ने क्या प्रतिज्ञा की कि उनके मुँह से कुछ नहीं निकलेगी?

अय्यूब प्रतिज्ञा करते हैं कि निश्चित रूप से उनके मुँह से कोई कुटिल बात न निकलेगी।

अय्यूब 27:6

अय्यूब के मन उसे कितने समय तक दोषी नहीं ठहराएगा?

उनका मन जीवन भर उन्हें दोषी नहीं ठहराएगा।

अय्यूब 27:8

अय्यूब क्या कहते हैं कि परमेश्वर भक्तिहीन मनुष्य का प्राण लेते समय क्या करते हैं?

जब परमेश्वर उनके प्राण लेते हैं, तो परमेश्वर उन्हें उन गलतियों के लिए दंडित करेंगे जो उन्होंने की हैं।

अय्यूब 27:11

अय्यूब सर्वशक्तिमान परमेश्वर से क्या नहीं छिपाएंगे?

अय्यूब ने कहा कि वह सर्वशक्तिमान परमेश्वर की बात को नहीं छिपाएंगे।

अय्यूब 27:14

दुष्ट व्यक्ति की सन्तान को किस चीज की कमी होगी?

उनकी सन्तान कभी पेट भर रोटी न खाने पाएगी।

अय्यूब 27:15

दुष्ट की विधवाएँ उसके लिए क्या नहीं करेगी?

उसकी विधवाएँ उसके लिए नहीं रोएँगी।

अय्यूब 27:17

दुष्ट व्यक्ति का रुपया का क्या होगा?

निर्दोष लोग आपस में दुष्ट व्यक्ति का रुपया बाँटेंगे।

अय्यूब 27:19

दुष्ट मनुष्य जब धनी होकर लेट जाता है, तो अपनी आँख खोलते ही क्या देखता है?

वह अपनी आँख खोलते ही वह जाता रहेगा।

अय्यूब 27:21

पूर्वी वायु दुष्ट व्यक्ति को कैसे दूर ले जाती है?

पूर्वी वायु उसे ऐसा उड़ा ले जाएगी, और वह जाता रहेगा और उसको उसके स्थान से उड़ा ले जाएगी।

अय्यूब 27:22

जब पूर्वी हवा नहीं रुकती है, तो दुष्ट व्यक्ति क्या करने का प्रयास करता है?

वह उसके हाथ से भाग जाना चाहेगा।

अय्यूब 28:2

पीतल को क्या पिघलाकर बनाया जाता है?

पीतल को पत्थर पिघलाकर बनाया जाता है।

अय्यूब 28:3

मनुष्य दूर-दूर तक खोद-खोदकर क्या ढूँढ़ते हैं?

मनुष्य अंधियारे को दूर कर, दूर-दूर तक खोद-खोदकर, अंधियारे और घोर अंधकार में पत्थर ढूँढ़ते हैं।

अय्यूब 28:4

मनुष्य कहाँ खानि खोदते हैं?

वह खानि को उस स्थान से दूर खोदते हैं जहाँ लोग रहते हैं।

अय्यूब 28:6

पृथ्वी की धूलि में क्या-क्या समाहित होता है?

पृथ्वी की धूलि में सोना पाया जाता है।

अय्यूब 28:8

पुरुष के खानि के मार्ग में कौन पाँव नहीं धरा है?

हिंसक पशुओं ने उस मार्ग में पाँव नहीं धरा है।

अय्यूब 28:10

पुरुष चट्टान खोदकर नालियाँ बनाते हैं, उनमें वे क्या देखते हैं?

उनकी आँखों को हर एक अनमोल वस्तु दिखाई देती है।

अय्यूब 28:13

बुद्धि और समझ कहाँ नहीं मिलती?

ये दोनों ही जीवनलोक में नहीं मिलती।

अय्यूब 28:17

बुद्धि और समझ की कीमत के बराबर क्या ठहर सकता?

न सोना, न काँच उसके बराबर ठहर सकता है।

अय्यूब 28:18

बुद्धि का मोल किस रत्न से अधिक है?

बुद्धि का मोल माणिक से भी अधिक होता है।

अय्यूब 28:21

बुद्धि किनकी आँखों से छिपी हुई है?

बुद्धि सब प्राणियों की आँखों से छिपी है।

अय्यूब 28:23

बुद्धि का स्थान किसको मालूम है?

परमेश्वर बुद्धि का मार्ग को समझते हैं और उसके स्थान को जानते हैं।

अय्यूब 28:25

परमेश्वर ने क्या नापकर ठहराया?

उन्होंने जल को नपुए में नापकर ठहराया।

अय्यूब 28:26

परमेश्वर ने किसके लिए एक विधि ठहराया?

उन्होंने मेंह के लिये एक विधि ठहराया।

अय्यूब 28:28

परमेश्वर ने लोगों से क्या कहा कि बुद्धि क्या है?

लोगों से, परमेश्वर ने कहा, "'देख, प्रभु का भय मानना यही बुद्धि है।"

अय्यूब 29:2

क्या अय्यूब को वह बीते हुए महीने याद है जब परमेश्वर ने उनकी रक्षा की थी?

अय्यूब को याद है कि बीते हुए महीनों में परमेश्वर ने उनकी रक्षा की थी।

अय्यूब 29:4

अय्यूब के जवानी के दिनों में उसके डेरे में क्या था?

अय्यूब अपने जवानी के दिनों को याद करते हैं जब परमेश्वर की मित्रता उनके डेरे पर प्रगट होती थी।

अय्यूब 29:6

अतीत में चट्टान ने अय्यूब के लिए क्या बहाती थीं?

जब सर्वशक्तिमान अय्यूब के साथ थे, तब उनके लिए चट्टानों से तेल की धाराएँ बहा करती थीं।

अय्यूब 29:8

जवान ने शहर के चौक में अय्यूब के प्रति आदर कैसे प्रकट किया?

उन्होंने अय्यूब को देखा और सम्मानपूर्वक उनसे छिप जाते थे।

अय्यूब 29:9

जब अय्यूब आए, तो अतीत में हाकिम ने क्या किया?

जब वह आते थे तो हाकिम लोग भी बोलने से रुक जाते थे।

अय्यूब 29:10

जब अय्यूब आए, तो प्रधान लोग की जीभ कैसे बंद हो गई?

उनकी जीभ तालू से सट जाती थी।

अय्यूब 29:11

अय्यूब को देखने के बाद प्रधान लोग क्या करते थे?

वे अय्यूब के विषय साक्षी देते थे और उन्हें धन्य कहते थे।

अय्यूब 29:13

अय्यूब ने विधवा के हृदय को किस कार्य के लिए प्रेरित किया?

उनके कारण विधवा हृदय में आनन्द के मारे गाती थी।

अय्यूब 29:16

अय्यूब ने उस व्यक्ति के लिए क्या किया था जिसे वह नहीं पहचानते थे?

वह उस व्यक्ति के मुकद्दमे का हाल मैं पूछताछ करके जान लेते थे जिसे वह नहीं पहचानते थे।

अय्यूब 29:17

अय्यूब कुटिल मनुष्यों के मुँह से किसे छीनेंगे?

उन्होंने उनका शिकार उनके मुँह से छीनकर बचा लेते थे।

अय्यूब 29:20

अय्यूब पूछते हैं कि उनके हाथ में सदा नया क्या होता है?

उनका धनुष उनके हाथ में सदा नया होता जाएगा।

अय्यूब 29:23

लोग अय्यूब से बरसात की तरह पीने के लिए किसकी प्रतीक्षा कर रहे थे?

उन्होंने उनके बातें इस प्रकार ग्रहण किया जैसे वे अन्त की वर्षा के लिए अपना मुँह पसारे रहते हैं।

अय्यूब 29:25

विलाप के समय अय्यूब अपनी तुलना किससे करता है?

वह कहते हैं कि वे उस व्यक्ति के समान हैं जो सेना में राजा या विलाप करनेवालों के बीच शान्तिदाता बनते हैं।

अय्यूब 30:1

अय्यूब की हँसी कौन करते हैं?

जो लोग अय्यूब से कम है, वे उनकी हँसी करते हैं।

अय्यूब 30:3

युवकों के पिता दुबले क्यों थे?

वे दरिद्रता और काल के मारे दुबले पड़े हुए हैं।

अय्यूब 30:5

युवकों के पिताओं को कहाँ से निकाला जाता था?

उनके पिताओं को मनुष्यों के बीच में से निकाला जाता था।

अय्यूब 30:8

अय्यूब युवकों के पिताओं का उल्लेख किस के वंश के रूप में करते हैं?

अय्यूब कहते हैं कि वे मूर्खों और नीच लोगों के वंश हैं जो मार-मार के इस देश से निकाले गए थे।

अय्यूब 30:9

अय्यूब व्यर्थ मनुष्यों के पुत्रों के लिए क्या बन गए थे?

अय्यूब उनके लिए ताना का विषय बन गए थे।

अय्यूब 30:11

लोग अब अय्यूब के सामने क्या प्रस्तुत करते हैं?

इन लोगों ने उनके सामने मुँह में लगाम नहीं रखते हैं।

अय्यूब 30:13

लोग अय्यूब की विपत्ति को क्यों बढ़ा सकते हैं?

वे उनकी विपत्ति को बढ़ाते हैं क्योंकि उनका कोई सहायक नहीं है।

अय्यूब 30:15

अय्यूब के अनुसार वायु से क्या उड़ाया गया है?

उनकी रईसपन वायु से उड़ाया गया है।

अय्यूब 30:16

अय्यूब का जीवन उसके भीतर डूबा जाता और उसे किस चीज़ ने जकड़ लिया है?

उनको दुःख के दिनों ने जकड़ लिया है।

अय्यूब 30:18

अय्यूब कहते हैं कि उनके वस्त्र का रूप कैसे बदल गया है?

बीमारी की बहुतायत से उनके वस्त्र का रूप बदल गया है।

अय्यूब 30:21

अय्यूब कैसे कहते हैं कि परमेश्वर बदल गए हैं?

परमेश्वर बदल गए हैं और उनके प्रति कठोर हो गए हैं; अपने बलवन्त हाथ से परमेश्वर उनको सताते हैं।

अय्यूब 30:23

अय्यूब को क्य निश्चय है कि सब जीवित प्राणियों के लिए ठहराया गया है?

वह निश्चय जानते हैं कि परमेश्वर उन्हें मृत्यु के वश में कर देंगे, उस घर में पहुँचाएंगे, जो सब जीवित प्राणियों के लिये ठहराया गया है।

अय्यूब 30:26

जब अय्यूब ने उजियाले की आशा की, तो क्या आया?

जब उन्होंने उजियाले की आशा की, तब इसके बजाय अंधकार छा गया।

अय्यूब 30:28

अय्यूब ने सहायता के लिए कहाँ खड़े होकर दुहाई दी?

वे सभा में खड़े होकर सहायता के लिये दुहाई दी।

अय्यूब 30:31

अय्यूब कहते हैं कि उनकी वीणा किस प्रकार के ध्वनि के लिए सुर में की गई है?

अय्यूब कहते हैं कि उनकी वीणा से विलाप के ध्वनि निकलती है।

अय्यूब 31:1

अय्यूब कहते हैं कि उनकी आँखों के विषय वाचा से कौन सी लालसा नियंत्रित हो जाती है?

अय्यूब ने अपनी आँखों के साथ एक वाचा बाँधी है कि वे लालसा के साथ किसी कुँवारी को नहीं देखेंगे।

अय्यूब 31:3

अय्यूब किसके लिए मानते थे कि विपत्ति निर्धारित थी?

अय्यूब मानते थे कि विपत्ति केवल कुटिल मनुष्यों के लिए होती है।

अय्यूब 31:6

अय्यूब परमेश्वर से क्या करने के लिए कहते हैं ताकि वे उनकी खराई को जान सकें?

वह चाहते हैं कि उन्हें एक धर्म के तराजू में तौला जाए, ताकि परमेश्वर उनकी खराई को जान सकें।

अय्यूब 31:8

यदि अय्यूब सही मार्ग से भटक गए हैं, तो वे उपज के साथ क्या होने की प्रार्थना करते हैं?

वह कहते हैं कि उपज को उनके खेत से उखाड़ डाली जाए।

अय्यूब 31:10

अय्यूब का कहना है कि यदि उनका हृदय किसी स्त्री पर मोहित हो गया है तो इसका क्या परिणाम होना चाहिए?

अय्यूब कहते हैं कि उनकी स्त्री किसी पराए पुरुष के लिए अनाज पीसे।

अय्यूब 31:12

अय्यूब कहते हैं कि यह महापाप किस प्रकार की आग के समान होता है?

अय्यूब कहते हैं कि यह वह आग है जो जलाकर भस्म कर देती है,।

अय्यूब 31:15

परमेश्वर ने अपने दास व दासी और अय्यूब दोनों के लिए क्या किया?

परमेश्वर ने गर्भ में उन सभी को बनाया और सूरत रची थी।

अय्यूब 31:18

अय्यूब बताते हैं कि उन्होंने अपनी लड़कपन से अनाथों के साथ कैसा व्यवहार किया है?

उनका कहना है कि अनाथ बच्चा इस प्रकार पला जिस प्रकार पिता के साथ बड़ा हुआ हो।

अय्यूब 31:20

जिनके पास कपड़े नहीं हैं, उन्हें गर्म रखने के लिए क्या प्रदान किया जाना चाहिए?

उन्हें उनकी भेड़ों की ऊन के कपड़े से गर्म किया जाना चाहिए।

अय्यूब 31:22

यदि अय्यूब ने करुणा दिखाने में असफलता पाई है, तो वह अपने शरीर के किस अंग को हटाने की बात करते हैं?

अय्यूब कहते हैं कि उसकी बाँह कंधे से उखड़कर गिर जाए।

अय्यूब 31:24

लोग अच्छे सोने के बारे में क्या कह सकते हैं?

वे सोना से कह सकते थे, "यदि मैंने सोने का भरोसा किया होता।"

अय्यूब 31:28

यदि अय्यूब सूर्य या चन्द्रमा को दंडवत करते, तो वे किसका इन्कार कर रहे होते?

यदि उन्होंने दंडवत की होती, तो सर्वश्रेष्ठ परमेश्वर का इन्कार किया होता।

अय्यूब 31:30

अय्यूब ने अपने मुँह को पाप करने से कैसे बचाया?

अय्यूब ने अपने मुँह से पाप करने की अनुमति नहीं दी, कि वह अपने शत्रुओं के प्राणों की मांग करके श्राप दे।

अय्यूब 31:32

अय्यूब ने हमेशा परदेशी के लिए क्या किया था?

वह हमेशा परदेशी के लिए अपना द्वार खोलते थे।

अय्यूब 31:33

अय्यूब कैसे कहते हैं कि मनुष्य ने अपने अधर्म को छिपा लिया है?

अय्यूब कहते हैं कि मनुष्य आदम के समान अपना अपराध छिपाकर अपने अधर्म को ढाँप लिया है।

अय्यूब 31:35

अय्यूब क्या चाहते है जो उनके मुद्दई द्वारा लिखी गई ?

अय्यूब चाहते थे कि उनके मुद्दई द्वारा लिखा गया शिकायतनामा उनके पास हो।

अय्यूब 31:37

यदि अय्यूब के पास उनका शिकायतनामा होता, तो वे अपने मुद्दई के निकट कैसे जाते?

वह उनके निकट एक प्रधान के समान निडर जाते।

अय्यूब 31:40

यदि अय्यूब ने भूमि के मालिक का प्राण लिया हो, तो वह उपज के स्थान पर क्या उगाने को कहते हैं?

अय्यूब ने कहा कि गेहूँ के बदले झड़बेरी और जौ के बदले जंगली घास उगें।

अय्यूब 32:1

जब तीनों पुरुषों ने यह देखा कि अय्यूब अपनी दृष्टि में निर्दोष है, तो उन्होंने क्या किया?

उन्होंने अय्यूब को उत्तर देना छोड़ दिया।

अय्यूब 32:2

जब अय्यूब ने परमेश्वर के बजाय अपने ही को निर्दोष ठहराया, तो एलीहू में कौन सी भावना उत्पन्न हुई?

एलीहू का क्रोध अय्यूब के प्रति भड़क उठा।

अय्यूब 32:3–5

एलीहू अय्यूब के तीन मित्रों से क्यों क्रोधित थे?

एलीहू अय्यूब के तीन मित्रों से क्रोधित थे क्योंकि वे अय्यूब को उत्तर न दे सके, फिर भी उन्होंने उसको दोषी ठहराया।

अय्यूब 32:6–7

एलीहू अय्यूब और उनके दोस्तों के सामने अपनी विचार बताने में संकोच और डर क्यों महसूस कर रहे थे?

एलीहू युवा थे और बाकी सभी आयु में बड़े थे, इसलिए उन्हें बुद्धि सिखाने में सक्षम होना चाहिए था।

अय्यूब 32:8

एलीहू किसे कहते हैं कि वे मनुष्य को समझने की शक्ति प्रदान करते हैं?

सर्वशक्तिमान परमेश्वर अपनी दी हुई साँस से उन्हें समझने की शक्ति देते हैं।

अय्यूब 32:9–10

एलीहू क्यों कहते हैं कि दूसरों को उन्हें सुनना चाहिए और उन्हें यह बताने की अनुमति देनी चाहिए कि वे क्या जानते हैं?

केवल बड़े-बड़े लोग ही बुद्धिमान नहीं होते, और केवल बूढ़े ही न्याय को नहीं समझते।

अय्यूब 32:11–12

अय्यूब के मित्र किस कार्य को करने में असमर्थ रहे, जबकि एलीहू ने उनके प्रमाण सुनने के लिये ठहरा रहा और चित्त लगाकर सुनता रहा?

अय्यूब के मित्र अय्यूब के पक्ष का खण्डन नहीं कर सके और न उनकी बातों का उत्तर दे सके।

अय्यूब 32:13

एलीहू कहते हैं कि जब तीन मित्र, जो स्वयं को बुद्धिमान समझते थे, ऐसा करने में सक्षम नहीं थे, तब अय्यूब का खण्डन कौन करेगा?

यह परमेश्वर ही हैं जिन्हें अय्यूब का खण्डन करेंगे।

अय्यूब 32:15–16

एलीहू क्या करने का निर्णय लेता है, क्योंकि तीनों मित्र चुपचाप खड़े हैं और अय्यूब को कुछ उत्तर नहीं दे सके?

एलीहू ने निर्णय लिया कि चूँकि तीनों मित्र चुपचाप खड़े हैं और अय्यूब को कुछ उत्तर नहीं दे सके, इसलिए वह अब और ठहरा नहीं रहेंगे।

अय्यूब 32:18

ऐसा क्या है जो एलीहू को अपना अपना विचार अय्यूब के साथ प्रगट करने के लिए उभार रही है?

आत्मा एलीहू को अपना विचार प्रगट करने के लिए उभार रही है।

अय्यूब 32:19

एलीहू बताते हैं कि वे अपने मन में कैसा महसूस कर रहे हैं?

वह कहते हैं कि उनका मन उस दाखमधु के समान है, जो खोला न गया हो; वह नई कुप्पियों के समान फटा जाता है।

अय्यूब 32:21–22

एलीहू कहते हैं कि यदि वे बोलें और किसी मनुष्य को चापलूसी की पदवी दें, तो उनके सृजनहार उनके साथ क्या करेंगे?

एलीहू कहते हैं कि उनके सृजनहार क्षण भर में उन्हें अपने पास उठा लें।

अय्यूब 33:1–3

एलीहू अय्यूब से क्यों विनती करते हैं कि वे उन बातों को सुनें जो वह कहेंगे?

एलीहू अय्यूब से सुनने की विनती करते हैं क्योंकि वे अपने मन की सिधाई से बोलेंगे।

अय्यूब 33:4

एलीहू को किसने बनाया है और उसे जीवन किससे मिलता है?

परमेश्वर की आत्मा ने एलीहू को बनाया है और सर्वशक्तिमान की साँस से उन्हें जीवन मिलता है।

अय्यूब 33:5

यदि अय्यूब एलीहू को उत्तर दे सकते हैं, तो एलीहू अय्यूब से क्या करने के लिए कहते हैं?

वह अय्यूब से कहते हैं कि वह अपनी बातें क्रम से रचकर एलीहू के सामने खड़े हों।

अय्यूब 33:6–7

एलीहू किस कारण से कहते हैं कि अय्यूब को उनसे डर के मारे घबराना न पड़ेगा या एलीहू से बोझ महसूस नहीं करना पड़ेगा?

एलीहू अय्यूब से कहते हैं कि वे परमेश्वर के सन्मुख में तुल्य हैं और दोनों मिट्टी से बनाए गए हैं।

अय्यूब 33:8–9

एलीहू ने अय्यूब को क्या कहते सुना था?

एलीहू ने सुना कि अय्यूब कह रहे थे कि वे पवित्र, निरपराध और निष्कलंक हैं और उनमें कोई अधर्म नहीं है।

अय्यूब 33:10

अय्यूब उन पर दाँव करने के अवसर ढूँढ़ने और उन्हें शत्रु समझने के लिए किसे दोषी ठहराता है?

अय्यूब इन चीजों के लिए परमेश्वर को दोषी ठहराते हैं।

अय्यूब 33:12

एलीहू यह कैसे बताते हैं कि परमेश्वर की तुलना मनुष्य से कैसे की जा सकती है?

एलीहू कहते हैं कि परमेश्वर मनुष्य से बड़ा है।

अय्यूब 33:13

एलीहू क्यों कहते हैं कि परमेश्वर के विरुद्ध झगड़ना व्यर्थ है?

परमेश्वर को अपनी किसी बात का लेखा नहीं देना पड़ता।

अय्यूब 33:14–15

एलीहू कैसे बताते हैं कि परमेश्वर मनुष्य से बोलते हैं?

परमेश्वर स्वप्न में, या रात को दिए हुए दर्शन में, जब मनुष्य घोर निद्रा में पड़े रहते हैं, या बिछौने पर सोते समय मनुष्य से बोलते हैं।

अय्यूब 33:16–17

परमेश्वर मनुष्यों के कान क्यों खोलते हैं और उन्हें उनकी शिक्षा पर मुहर क्यों लगाते हैं?

परमेश्वर ऐसा इसलिए करते हैं ताकि मनुष्य को उसके संकल्प से रोके और गर्व को मनुष्य में से दूर करे।

अय्यूब 33:19–20

एलीहू बताते हैं कि पुरुष के बिछौने पर तड़प,हड्डी-हड्डी में लगातार झगड़ा, और स्वादिष्ट भोजन से घृणा होने का कारण क्या है?

एलीहू कहते हैं कि ऐसा इसलिए है क्योंकि मनुष्य को दंडित किया जा रहा है।

अय्यूब 33:21–22

एलीहू कहते हैं कि जब किसी व्यक्ति को परमेश्वर द्वारा दंडित किया जा रहा होता है, तो उसके साथ क्या होता है?

उसका माँस ऐसा सूख जाता है, उसकी हड्डियाँ जो पहले दिखाई नहीं देती थीं निकल आती हैं और वह कब्र के निकट पहुँचता है।

अय्यूब 33:24

बिचवई स्वर्गदूत किसी व्यक्ति को गड्ढे में जाने से बचाने के लिए परमेश्वर से क्या कह सकता है?

बिचवई स्वर्गदूत परमेश्वर से कह सकते हैं, "मुझे छुड़ौती मिली है।"

अय्यूब 33:25

उस व्यक्ति के देह का क्या होगा जिसे गड्ढे में गिरने से बचाया गया है?

उनका देह एक बालक के समान स्वस्थ और कोमल हो जाएगी।

अय्यूब 33:28

उस व्यक्ति के जीवन का क्या होगा जो अपने पापों को स्वीकार करता है और परमेश्वर द्वारा प्राण कब्र में पड़ने से बचाए जाते हैं?

उस व्यक्ति का जीवन उजियाले को देखेगा।

अय्यूब 33:29–30

एलीहू क्यों कहते हैं कि परमेश्वर मनुष्य को कब्र से बचाते हैं?

परमेश्वर ऐसा करते हैं ताकि वह जीवनलोक के उजियाले का प्रकाश पाए।

अय्यूब 33:33

यदि अय्यूब सुनें और चुप रहें, तो एलीहू अय्यूब को क्या सिखाना चाहते हैं?

एलीहू अय्यूब को बुद्धि की बात सिखाना चाहते हैं।

अय्यूब 34:1–3

एलीहू किससे अपने बातें सुनने और उस पर कान लगाने का अनुरोध कर रहे हैं?

एल्हु चाहते हैं कि बुद्धिमान और ज्ञानी उनकी बात सुनें।

अय्यूब 34:4

एलीहू क्या चाहते हैं कि दूसरे लोग स्वयं क्या चुनें और समझ-बूझ लें?

एलीहू चाहते हैं कि वे जो कुछ ठीक है अपने लिये चुन लें और यह जानें कि क्या भला है।

अय्यूब 34:5

अय्यूब क्या कहते हैं कि परमेश्वर ने उनसे क्या मार दिया है, भले ही वे निर्दोष हैं?

अय्यूब कहते हैं कि परमेश्वर ने उनका उनसे हक़ मार दिया है।

अय्यूब 34:8

एलीहू के अनुसार अय्यूब किसके साथ संगति रखते हैं?

वह कहते हैं कि अय्यूब उन लोगों की संगति में रहते हैं जो दुष्ट मनुष्य हैं।

अय्यूब 34:10–12

एलीहू समझवालों से क्या कहते हैं कि परमेश्वर क्या नहीं करते?

परमेश्वर दुष्टता का काम नहीं करते, बुराई नहीं करते, और वह अन्याय नहीं करते हैं।

अय्यूब 34:13–15

एलीहू कहते हैं कि यदि परमेश्वर अपनी आत्मा और अपनी श्वास को वापस ले लें, तो क्या होगा?

तो सब देहधारी एक संग नाश हो जाएँगे, और मनुष्य फिर मिट्टी में मिल जाएगा।

अय्यूब 34:17

एलीहू के प्रश्न से अय्यूब किसको दुष्ट ठहरा रहे हैं?

वह संकेत करते हैं कि अय्यूब परमेश्वर को दुष्ट ठहरा रहे हैं, जो पूर्ण धर्मी हैं।

अय्यूब 34:19

एलीहू किसे परमेश्वर के हाथों का बनाए हुए बताते हैं?

सभी लोग, चाहे वे धनी हों या कंगाल, परमेश्वर के हाथों का बनाए हुए हैं।

अय्यूब 34:21

एलीहू कहते हैं कि परमेश्वर क्या देखते रहते हैं?

परमेश्वर की आँखें मनुष्य की चाल चलन पर लगी रहती हैं, और वह उसकी सारी चाल को देखते रहते हैं।

अय्यूब 34:25

परमेश्वर रात में उन बड़े-बड़े बलवानों के साथ क्या करते हैं जिनके कामों को भली भाँति वे जानते हैं?

परमेश्वर रात में उन्हें उलट देते हैं और वे चूर-चूर हो जाते हैं।

अय्यूब 34:26

परमेश्वर उन लोगों के साथ क्या करेंगे जो अपराधियों की तरह दुष्ट कर्म करते हैं और कंगालों की दुहाई को उनके पास लाते हैं?

परमेश्वर उन्हें दुष्ट जानकर सभी के देखते मारते हैं।

अय्यूब 34:29

परमेश्वर किस पर व्यवहार करते हैं?

परमेश्वर जाति भर के साथ और अकेले मनुष्य, दोनों के साथ बराबर व्यवहार करते हैं।

अय्यूब 34:31–32

एलीहू क्या सुझाव दे रहे हैं कि अय्यूब को परमेश्वर के सामने क्या स्वीकार करना चाहिए?

एलीहू सुझाव देते हैं कि अय्यूब को यह स्वीकार करना चाहिए कि वह दोषी हैं और उन्होंने बुराई किया है, लेकिन अब और नहीं करेंगे।

अय्यूब 34:34–35

बुद्धिमान लोग अय्यूब के बारे में क्या कहेंगे?

वे कहेंगे कि अय्यूब ज्ञान की बातें नहीं कहता, और न उसके वचन समझ के साथ होते हैं।

अय्यूब 34:37

एलीहू कहते हैं कि अय्यूब अपने पाप में क्या बढ़ा रहे हैं क्योंकि वह अनर्थकारियों के समान बातें कर रहे हैं?

वह कहते हैं कि अय्यूब अपने पाप में विरोध बढ़ा रहे हैं।

अय्यूब 35:1–2

एलीहू का तात्पर्य है कि अय्यूब स्वयं की तुलना परमेश्वर से करके क्या दावा करते हैं?

एलीहू का तात्पर्य है कि अय्यूब सोचते हैं कि वे निर्दोष हैं, और उनकी धार्मिकता परमेश्वर की धार्मिकता से अधिक है।

अय्यूब 35:5

एलीहू अय्यूब और उनके दोस्तों से क्या देखने के लिए ऊपर देखने को कहते हैं?

एलीहू उनसे कहते हैं कि ऊपर आकाश की ओर दृष्टि करके देखें।

अय्यूब 35:8

अय्यूब की दुष्टता या उनकी धार्मिकता का दूसरे मनुष्य पर क्या प्रभाव हो सकता था?

अय्यूब की दुष्टता एक मनुष्य को नुकसान पहुँचा सकती है और उनकी धार्मिकता मनुष्यमात्र को फल ला सकता है।

अय्यूब 35:9

लोग बलवान के बाहुबल से सहायता के लिए क्यों चिल्लाते हैं?

दूसरों द्वारा उन पर किए गए बहुत अंधेर होने के कारण, और बलवान के बाहुबल के कारण वे दुहाई देते हैं।

अय्यूब 35:10–11

एलीहू कौन सी बातें कहते हैं जो परमेश्वर लोगों के लिए कर सकते हैं, भले ही कोई इसे स्वीकार न करे?

परमेश्वर हमें शिक्षा देते हैं और हमें अधिक बुद्धि देते हैं।

अय्यूब 35:12

एलीहू क्यों कहते हैं कि जब लोग परमेश्वर को दुहाई देते हैं तो वे उत्तर नहीं देते?

एलीहू कहते हैं कि परमेश्वर तब उत्तर नहीं देते जब लोग घमण्ड के कारण बुरे काम में लगे रहते हैं और उन्हें दुहाई देते हैं।

अय्यूब 35:13

परमेश्वर किन बातों को कभी नहीं सुनेंगे?

वह निश्चित रूप से उन प्रार्थनाओं को नहीं सुनेंगे जिनमें व्यर्थ बातें होती है।

अय्यूब 35:16

एलीहू अय्यूब पर क्या आरोप लगाते हैं जब अय्यूब अपना मुँह खोलते हैं?

वह कहते हैं कि अय्यूब अपना मुँह अज्ञानता की बातें करने और व्यर्थ शब्दों का ढेर लगाने के लिए खोलते हैं।

अय्यूब 36:3

एलीहू किसको धर्मी ठहरा रहे हैं?

एलीहू अपने सृजनहार को धर्मी ठहरा रहे हैं ।

अय्यूब 36:6

दीनों के लिए परमेश्वर क्या करते हैं?

वह दीनों को उनका हक़ देते हैं।

अय्यूब 36:7

परमेश्वर धर्मियों के लिए क्या करते हैं?

वह उनको राजाओं के संग सदा के लिये सिंहासन पर बैठाते हैं, और वे ऊँचे पद को प्राप्त करते हैं।

अय्यूब 36:9

परमेश्वर उन लोगों पर क्या प्रगट करते हैं जो बेड़ियों में जकड़े हैं और दुःख की रस्सियों से बाँधे हुए हैं?

वह उन्हें बताते हैं कि उन पर उनके काम, और उनका यह अपराध प्रगट करते हैं, कि उन्होंने गर्व किया है।

अय्यूब 36:11

जो लोग परमेश्वर की सुनते हैं और उनकी सेवा करते हैं, उनके साथ क्या होगा?

वे अपने दिन कल्याण से, और अपने वर्ष सुख से पूरे करते हैं।

अय्यूब 36:12

जो लोग परमेश्वर की बात नहीं सुनते, उनके साथ क्या होगा?

वे तलवार से नाश हो जाते हैं, और अज्ञानता में मरते हैं।

अय्यूब 36:13–14

जो लोग भक्तिहीन होकर रहते हैं, अपना क्रोध बढ़ाते हैं और सहायता के लिए परमेश्वर को दुहाई नहीं देते, उनके साथ क्या होता है?

वे जवानी में मर जाते हैं और उनका जीवन लुच्चों के बीच में नाश होता है।

अय्यूब 36:15–16

एलीहू कैसे कहते हैं कि परमेश्वर दुःख और उपद्रव का उपयोग करते हैं?

परमेश्वर दुःखियों को उनके दुःख से छुड़ाता है, और उपद्रव में उनका कान खोलता है।

अय्यूब 36:16

एलीहू क्या कहते हैं कि परमेश्वर अय्यूब के लिए क्या करना चाहते हैं?

परमेश्वर अय्यूब को उनकी क्लेश के मुँह में से निकालकर ऐसे चौड़े स्थान में जहाँ सकेती नहीं है, पहुँचाना चाहते हैं।

अय्यूब 36:17

अय्यूब ने क्या किया है?

उन्होंने दुष्टों का सा निर्णय किया है।

अय्यूब 36:18

कौन सी चीजें अय्यूब को ठट्ठा करा सकती हैं और उन्हें न्याय के मार्ग से मुड़ा सकती हैं?

परमेश्वर के प्रति जलजलाहट अय्यूब को ठट्ठा करा सकती हैं और बड़ी घूस से उनकी क्षमा नहीं खरीदी जा सकती थी।

अय्यूब 36:19

कौन सी चीजें अय्यूब को उनकी दुःख से छुटकारा नहीं दे सकतीं?

अय्यूब का रोना और ना उनका बल उन्हें उनकी दुःख से छुटकारा नहीं दे सकतीं।

अय्यूब 36:21

एलीहू अय्यूब को चौकस रहने के लिए क्यों कहते हैं?

वह कहते हैं कि अय्यूब परमेश्वर के प्रति अनर्थ काम करना चुनते हैं, बजाय इसके कि वह यह सीखे कि परमेश्वर उन्हें दुःख के माध्यम से क्या सिखाना चाहते हैं।

अय्यूब 36:23

परमेश्वर के बारे में क्या नहीं कहा जा सकता?

कोई नहीं कह सकता कि परमेश्वर ने अनुचित काम किया है।

अय्यूब 36:26

परमेश्वर के बारे में ऐसी कौन-सी बातें हैं जो हमारे ज्ञान से कहीं परे है?

उनके वर्ष की गिनती अनन्त है, हम उनके वर्षों की गणना नहीं कर सकते।

अय्यूब 36:27–28

परमेश्वर मेंह कैसे बरसाते हैं?

वह तो जल की बूँदें ऊपर को खींच लेते हैं, वे कुहरे से मेंह होकर टपकती हैं, वे ऊँचे-ऊँचे बादल उण्डेलते हैं और मनुष्यों के ऊपर बहुतायत से बरसाते हैं।

अय्यूब 36:30–31

एलीहू ने ऐसा क्यों कहा कि परमेश्वर उजियाले को फैलाते हैं और समुद्र की थाह को ढाँप देते हैं?

वह अपने उजियाले को चहुँ ओर फैलाते हैं, और समुद्र की थाह को ढाँप देते हैं, क्योंकि वह देश-देश के लोगों का न्याय इन्हीं से करते हैं, और भोजनवस्तुएँ बहुतायत से देते हैं।

अय्यूब 36:32–33

आने वाले अंधड़ के बारे में लोगों और पशु को क्या समाचार देती है?

बिजली लोगों और पशु को आने वाले अंधड़ के बारे में समाचार देती है।

अय्यूब 37:1–2

एलीहू का हृदय किस कारण काँपता है?

परमेश्वर के बोलने का शब्द और उनकी शब्द को जो उनके मुँह से निकलता है एलीहू के हृदय को काँपने पर विवश कर देती है।

अय्यूब 37:6

परमेश्वर हिम और मेंह को क्या करने के लिए आज्ञा देते हैं?

वह हिम को पृथ्वी पर गिरने का आज्ञा देते हैं, और मेंह को मूसलाधार वर्षा बनने का आज्ञा देते हैं।

अय्यूब 37:7

परमेश्वर सब मनुष्यों के हाथ पर मुहर क्यों कर देते हैं?

परमेश्वर उनके हाथ पर मुहर कर देते हैं ताकि सब मनुष्य उनको पहचानें।

अय्यूब 37:8–9

पशु किस कारण से गुफाओं में घुस जाते हैं और अपनी-अपनी माँदों में रहते हैं?

वे बवण्डर के कारण अपने गुफाओं में घुस जाते हैं और अपनी-अपनी माँदों में रहते हैं।

अय्यूब 37:10

परमेश्वर की श्वास की फूँक से क्या दिया जाता है?

परमेश्वर की श्वास की फूँक से बर्फ पड़ता है।

अय्यूब 37:13

परमेश्वर किन कारणों से बादलों को मार्गदर्शन देते हैं और उन्हें उनके आज्ञा का पालन करने के लिए प्रेरित करते हैं?

वे ताड़ना देने के लिये, कभी अपनी पृथ्वी की भलाई के लिये या मनुष्यों पर करुणा करने के लिये वर्षा उपलब्ध कराने के लिए ऐसा करते हैं।

अय्यूब 37:14

एलीहू अय्यूब से किस विषय पर विचार करने का आग्रह करना चाहते हैं?

वह चाहते हैं कि अय्यूब चुपचाप खड़ा रहे और परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों के बारे में विचार करें।

अय्यूब 37:15

जब परमेश्वर बादलों को आज्ञा देते हैं तो क्या होता है?

परमेश्वर बादल की बिजली को चमकाते हैं।

अय्यूब 37:18

एलीहू आकाशमण्डल का वर्णन करने के लिए कौन सी छवि का उपयोग करते हैं?

वह कहते हैं कि आकाशमण्डल ढाले हुए दर्पण के तुल्य दृढ़ है।

अय्यूब 37:19

एलीहू ने ऐसा क्यों कहा कि वह और अन्य लोग परमेश्वर के सामने अपनी व्याख्यान ठीक नहीं रच सकते?

वे अपने मन के अंधियारे के कारण अपना व्याख्यान ठीक नहीं रच सकते।

अय्यूब 37:21

जब आकाशमण्डल शुद्ध होता है, तो लोग किस चीज़ को नहीं देख पाते?

आकाशमण्डल का बड़ा प्रकाश देखा नहीं जाता जब वह शुद्ध होता है।

अय्यूब 37:23

एलीहू क्या कहते हैं कि सर्वशक्तिमान लोगों के साथ क्या नहीं करते हैं?

सर्वशक्तिमान लोगों के साथ अत्याचार नहीं करते हैं।

अय्यूब 37:24

एलीहू किसके बारे में कहते हैं कि सर्वशक्तिमान दृष्टि नहीं करते?

सर्वशक्तिमान उन लोगों पर दृष्टि नहीं करते जो अपनी दृष्टि में बुद्धिमान हैं।

अय्यूब 38:1

यहोवा ने अय्यूब को किस माध्यम से उत्तर दिया?

यहोवा ने आँधी में से अय्यूब को उत्तर दिया।

अय्यूब 38:2

किसी ने किस प्रकार से युक्ति को बिगाड़ा?

अज्ञानता की बातें कहकर अय्यूब ने लोगों के लिए परमेश्वर के युक्ति को समझना बिगाड़ा।

अय्यूब 38:3

जब यहोवा अय्यूब से प्रश्न करते हैं, तो वह अय्यूब से क्या करने के लिए कहते हैं?

अय्यूब को एक पुरुष के समान अपनी कमर बाँधनी चाहिए और यहोवा के प्रश्नों का उत्तर देना चाहिए।

अय्यूब 38:6–7

जब यहोवा ने पृथ्वी के कोने का पत्थर बैठाया, तब किसने साथ में गाया और किसने आनन्द से जयजयकार की?

जब पृथ्वी की नींव रखी गई, तब भोर के तारे एक संग आनन्द से गाते थे और परमेश्वर के सब पुत्र जयजयकार करते थे।

अय्यूब 38:8

यहोवा समुद्र की तुलना किससे करते हैं जब वह द्वार बन्द होने के बाद फूट निकलता है?

परमेश्वर समुद्र के द्वार बन्द होने के बाद फूट निकलने की तुलना गर्भ से बाहर आने के समान करते हैं।

अय्यूब 38:10–11

यहोवा ने समुद्र की सीमा बाँधने के लिए क्या व्यवस्था की ताकि वह केवल उतनी ही आगे आ सके और उससे आगे न बढ़ सके?

यहोवा ने समुद्र के लिए एक सीमा बाँधने के लिए बेंड़े और किवाड़ें लगा दिए।

अय्यूब 38:14

जैसे मोहर के नीचे चिकनी मिट्टी बदलती है, वैसे ही पृथ्वी का स्वरूप किस प्रकार बदल जाता है?

भोर का प्रकाश पृथ्वी को इस प्रकार बदल देता है कि उस पर की सब वस्तुएँ मानो वस्त्र पहने हुए दिखाई देती हैं।

अय्यूब 38:19–21

यहोवा ने अय्यूब का उपहास करते हुए क्या कहा कि उसे उजियाले और अंधियारे के निवास के मार्ग के बारे में कुछ भी पहचान नहीं?

यहोवा अय्यूब का उपहास करते हुए कहते हैं कि निःसन्देह अय्यूब को इसके बारे में सब कुछ पता होगा क्योंकि वह उस समय उत्पन्न हुए थे और वह बहुत आयु के हैं।

अय्यूब 38:22–23

यहोवा किस कारण से कहते हैं कि उन्होंने हिम और ओलों के लिए भण्डार बनाए हैं?

यहोवा ने इन भण्डारों को संकट के समय और युद्ध तथा लड़ाई के दिन के लिए रख छोड़ा है।

अय्यूब 38:25–27

यहोवा उस जंगल में मेंह क्यों बरसाते हैं जहाँ कोई व्यक्ति नहीं होता?

वे निर्जन देश में और जंगल में जहाँ कोई मनुष्य नहीं रहता मेंह बरसाकर, उजाड़ ही उजाड़ देश को सींचते, और हरी घास उगाते हैं।

अय्यूब 38:31

यहोवा अय्यूब से क्या पूछते हैं कि क्या वह कचपचिया और मृगशिरा के साथ कुछ कर सकते हैं?

वह अय्यूब से पूछते हैं कि क्या वह कचपचिया का गुच्छा गूँथ सकते हैं या मृगशिरा के बन्धन खोल सकते हैं।

अय्यूब 38:37–38

जब यहोवा उन पर आकाश के कुप्पों को उण्डेलते हैं तो धूलि और ढेलों का क्या होता है?

धूलि जम जाती है, और ढेले एक दूसरे से सट जाते हैं।

अय्यूब 38:40

जवान सिंहों पेट भरने के लिए कहाँ घात लगाए बैठते हैं?

वे अपनी माँदों में दबक कर बैठ जाते हैं और आड़ में घात लगाने के लिए छिप जाते हैं।

अय्यूब 38:41

कौवे के बच्चे निराहार क्यों उड़ते फिरते हैं?

कौवे के बच्चे परमेश्वर की दुहाई देते हुए निराहार उड़ते फिरते हैं।

अय्यूब 39:4

मैदानों में हष्ट-पुष्ट होकर बड़े होने के बाद हिरणों के बच्चों का क्या होता है?

वे निकल जाते और फिर नहीं लौटते।

अय्यूब 39:5–6

यहोवा ने जंगली गदहे के लिए कौन सा निवास स्थान ठहराया है?

यहोवा ने जंगली गदहे के लिए निर्जल देश को, और उसका निवास नमकीन भूमि को ठहराया है।

अय्यूब 39:8

जंगली गदहा भोजन कहाँ पाते हैं?

पहाड़ों पर जो कुछ मिलता है उसे वह चरता वह सब भाँति की हरियाली ढूँढ़ता फिरता है।

अय्यूब 39:10

यहोवा अय्यूब से पूछते हैं कि क्या वे जंगली साँड़ को रस्से से बाँधकर रेघारियों में चला सकते हैं?

वह अय्यूब से पूछते हैं कि वे जंगली साँड़ को रस्से से बाँधकर रेघारियों में चला सकते हैं या क्या वह नालों में पीछे-पीछे हेंगा फेर सकते हैं।

अय्यूब 39:13

शुतुरमुर्ग आनन्द से अपने पंखों को क्यों फुलाती है?

शुतुरमुर्ग तेजी से दौड़ते हुए आनन्द से अपने पंखों को फुलाती है।

अय्यूब 39:14

शुतुरमुर्ग अपने अण्डे के साथ क्या करता है?

वे अपने अण्डे को भूमि पर छोड़ देती हैं, और धूलि में उन्हें गर्म करती है।

अय्यूब 39:16

शुतुर्मुर्गों क्यों निश्चिन्त रहती है कि उसका कष्ट अकारथ होता है?

क्योंकि परमेश्वर ने उसको बुद्धिरहित बनाया, और उसे समझने की शक्ति नहीं दी।

अय्यूब 39:18

यहोवा क्या कहते हैं कि जब शुतुरमुर्ग पंख फैलाती है, तो वह क्या करती है?

वे घोड़े और उसके सवार दोनों को कुछ नहीं समझती है।

अय्यूब 39:19

घोड़े की गर्दन पर कौन से कपड़े होते हैं?

घोड़े की गर्दन पर फहराते हुई घने बाल जमाए है।

अय्यूब 39:22

घोड़ा तलवार के प्रति कैसे प्रतिक्रिया करता है?

वे तलवार से पीछे नहीं हटते।

अय्यूब 39:24

नरसिंगे का शब्द पर घोड़ा क्या नहीं कर सकता है?

जब नरसिंगे का शब्द सुनाई देता है तब वह रुकता नहीं।

अय्यूब 39:27–28

उकाब अपना घोंसला और बसेरा कहाँ बनाते हैं?

वे ऊँचे स्थानों पर अपना घोंसला बनाते हैं, और अपना बसेरा चट्टान की चोटी और दृढ़ स्थान पर बनाते हैं।

अय्यूब 40:4

अय्यूब ने यह दिखाने के लिए क्या किया कि वह यहोवा को उत्तर देने के लिए अत्यंत तुच्छ थे?

अय्यूब ने अपनी उँगली दाँत तले दबा लिया।

अय्यूब 40:6

यहोवा ने अय्यूब को किसके माध्यम से उत्तर दिया?

यहोवा ने अय्यूब को आँधी में से उत्तर दिया।

अय्यूब 40:7

यहोवा ने अय्यूब को यहोवा को उत्तर देने के लिए तैयार होने के लिए क्या करने को कहा?

उन्होंने अय्यूब से कहा कि वह एक पुरुष के समान अपनी कमर बाँध लें।

अय्यूब 40:8

यहोवा ने क्यों कहा कि अय्यूब यहोवा को दोषी ठहरा रहे थे?

उन्होंने कहा कि अय्यूब ने यहोवा को दोषी ठहरा रहे थे ताकि वह यह दावा कर सकें कि वे निर्दोष थे।

अय्यूब 40:10

यहोवा अय्यूब को किससे अपने आप को वस्त्र पहनने की चुनौती देते हैं?

वह अय्यूब को चुनौती देते हैं कि वे अपने को महिमा और प्रताप से संवार और ऐश्वर्य और तेज के वस्त्र पहन ले।

अय्यूब 40:12

यहोवा अय्यूब से दुष्ट लोगों के साथ क्या करने के लिए आज्ञा देते हैं?

यहोवा अय्यूब से कहते हैं कि उन्हें जहाँ वे खड़े हैं वहाँ से गिरा दें।

अय्यूब 40:15

जलगज क्या खाता है?

वह बैल के समान घास खाता है।

अय्यूब 40:17

जलगज की पूँछ कैसी होती है?

उसकी पूँछ देवदार के समान है।

अय्यूब 40:19

परमेश्वर द्वारा बनाए गए सबसे शक्तिशाली जानवरों में से एक कौन सा है?

परमेश्वर कहते हैं कि जलगज परमेश्वर का मुख्य कार्य है, अर्थात् शक्ति में प्रथम है।

अय्यूब 40:21

जलगज कहाँ लेटा करता है?

वह कमल के पौधों के नीचे रहता नरकटों की आड़ में और कीच पर लेटा करता है।

अय्यूब 40:23

जब नदी में बाढ़ आती है और यरदन भी बढ़कर उसके मुँह तक आए, तो जलगज क्या सोचता है?

वह न घबराएगा परन्तु वह निर्भय रहेगा।

अय्यूब 41:1

यहोवा अय्यूब से किसके द्वारा लिव्यातान को खींचने के लिए पूछते हैं?

यहोवा अय्यूब से पूछते हैं कि क्या वह बंसी के द्वारा लिव्यातान को खींचने सकते हैं।

अय्यूब 41:6

परमेश्वर अय्यूब से पूछते हैं कि यदि मछुए के दल लिव्यातान पकड़ लें तो क्या होगा?

वह अय्यूब से पूछते हैं कि क्या मछुए के दल लिव्यातान को बिकाऊ माल समझेंगे या उसे व्यापारियों में बाँट देंगे।

अय्यूब 41:8

यदि कोई व्यक्ति लिव्यातान पर अपना हाथ धरे तो क्या होगा?

यदि कोई व्यक्ति एक बार भी लिव्यातान पर अपना हाथ ही धरे, तो लड़ाई को कभी न भूलेगा, और भविष्य में कभी ऐसा न करेगा।

अय्यूब 41:10

क्योंकि कोई भी इतना साहसी नहीं है कि लिव्यातान को भड़काए, तो फिर कौन यहोवा के सामने ठहर सकता है?

कोई भी लिव्यातान को भड़काने की साहस नहीं रखता, इसलिए कोई भी यहोवा के सामने ठहर नहीं सकता।

अय्यूब 41:14

यहोवा लिव्यातान के मुख का वर्णन और कैसे करते हैं?

वह कहते हैं कि उसके मुख के दोनों किवाड़, जो दांतों से चारों ओर घिरे हैं, डरावने हैं।

अय्यूब 41:16

लिव्यातान की पीठ के छिलकों की रेखाएँ कैसे जुड़े हुए हैं?

वे एक दूसरे से ऐसे जुड़े हुए हैं, कि उनमें कुछ वायु भी नहीं पैठ सकती।

अय्यूब 41:18

यहोवा कहते हैं कि लिव्यातान की आँखें कैसी होती हैं?

उसकी आँखें भोर की पलकों के समान चमकीली हैं।

अय्यूब 41:19

लिव्यातान के मुँह से क्या निकलता है?

लिव्यातान के मुँह से जलते हुए पलीते निकलते हैं, और आग की चिंगारियाँ छूटती हैं।

अय्यूब 41:20

लिव्यातान के नथनों से निकलने वाला धुआँ कैसा होता है?

उसके नथनों से ऐसा धुआँ निकलता है, जैसा खौलती हुई हाण्डी और जलते हुए नरकटों से धुआँ निकलता है।

अय्यूब 41:24

लिव्यातान का हृदय कैसा होता है?

उसका हृदय पत्थर सा दृढ़ है, वरन् चक्की के निचले पाट के समान दृढ़ है।

अय्यूब 41:25

जब लिव्यातान खुद को ऊपर उठने लगता है,तब सामर्थी क्या करते हैं?

वे डर जाते हैं और डर के मारे उनकी सुध-बुध लोप हो जाती है।

अय्यूब 41:26

जब कोई तलवार, भाले, तीर या कोई नुकीला हथियार लिव्यातान पर चलाए, तो क्या होता है?

तो उससे कुछ न बन पड़ेगा।

अय्यूब 41:27

लिव्यातान लोहे और पीतल के बारे में क्या जानता है?

वह लोहे को पुआल सा, और पीतल को सड़ी लकड़ी सा जानता है।

अय्यूब 41:30

लिव्यातान किस प्रकार का हेंगा फेरता है?

उसके निचले भाग पैने ठीकरे के समान हैं, कीचड़ पर मानो वह हेंगा फेरता है।

अय्यूब 41:31

वह गहरे जल को किस उद्देश्य से मथता है?

वह गहरे जल को हण्डे के समान मथता है।

अय्यूब 41:33

धरती पर लिव्यातान के तुल्य कोई क्यों नहीं है?

उसे निर्भय जीने के लिए बनाया गया है।

अय्यूब 42:3

क्या अय्यूब ने स्वीकार किया कि उन्होंने क्या कहा था?

उन्होंने ऐसी बातें कही थीं जो वह नहीं समझते थे, ऐसी बातें जो उनके लिए समझना अधिक कठिन थीं, जिनके बारे में वे जानते भी नहीं थे।

अय्यूब 42:6

अपनी आँखों से यहोवा को देखने के बाद अय्यूब ने कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त की?

अय्यूब ने अपने ऊपर घृणा की और धूलि और राख में पश्चाताप किया।

अय्यूब 42:7

यहोवा ने कहा कि एलीपज और उनके दो दोस्तों ने क्या गलत किया था?

उन्होंने यहोवा के विषय में वैसी ठीक बातें नहीं कही थीं, जैसी अय्यूब ने कही थीं।

अय्यूब 42:8

यहोवा ने एलीपज को होमबलि के रूप में क्या देने के लिए कहा था?

उन्होंने एलीपज से कहा कि वे अपने लिए होमबलि के रूप में सात बैल और सात मेढ़े छाँटकर चढ़ाएं।

अय्यूब 42:8 (#2)

यहोवा ने कहा कि वे किसकी प्रार्थना ग्रहण करेंगे?

यहोवा ने कहा कि वे अय्यूब की प्रार्थना ग्रहण करेंगे।

अय्यूब 42:10

अय्यूब ने अपने मित्रों के लिए प्रार्थना करने के बाद क्या हुआ?

यहोवा ने उनका सारा दुःख दूर किया, और जितना अय्यूब का पहले था, उसका दुगना यहोवा ने उन्हें दे दिया।

अय्यूब 42:11

जब लोग अय्यूब को शान्ति देने आए, तो एक-एक व्यक्ति ने उन्हें क्या दिया?

एक-एक व्यक्ति ने उन्हें चाँदी का सिक्का और सोने की एक-एक बाली दी।

अय्यूब 42:12

यहोवा ने अय्यूब के बाद के दिनों में उन्हें कैसे आशीष दी?

यहोवा ने अय्यूब के जीवन के पहले के दिनों के तुलना में अय्यूब के बाद के दिनों में अधिक आशीष दी।

अय्यूब 42:13

यहोवा ने अय्यूब को कितने और बेटे और बेटियाँ प्रदान कीं?

उनके सात बेटे और तीन बेटियाँ भी उत्पन्न हुईं।

अय्यूब *42:15*

अय्यूब 42:15

अय्यूब की बेटियों में क्या विशेषता थी?

उस सारे देश में ऐसी स्त्रियाँ कहीं न थीं, जो अय्यूब की बेटियों
के समान सुन्दर हों, और उनके पिता ने उनको उनके भाइयों
के संग ही सम्पत्ति दी।